मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 293
बुधवार, 13 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

नीट-यूजी परीक्षा रद होने के बाद एनटीए का बड़ा फैसला, वापस की जाएगी प्रवेश परीक्षा फीस

नई दिल्ली, 12 मई। मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी (नेशनल एलिजबिलटी कम एंट्रेंस टेस्ट-अंडर ग्रेजुएट) के बड़ी संख्या में प्रश्नों के लीक होने की पुष्टि के बाद केंद्र सरकार ने पूरी परीक्षा को मंगलवार को रद कर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया है।

वहीं परीक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों और प्रश्नों के लीक होने के मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ) को भी सौंप दिया है।

इसके साथ ही नीट-यूजी परीक्षा में शामिल 22.79 लाख छात्रों को अब दोबारा परीक्षा देनी होगी। परीक्षा की नई तारीखों का ऐलान अगले दस दिनों के भीतर कर दिया जाएगा।

नीट-यूजी की यह परीक्षा तीन मई को देश-विदेश के कुल 565 शहरों के करीब साढ़े पांच हजार परीक्षा केंद्रों पर आयोजित हुई थी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट-यूजी को रद किए जाने के निर्णय को साझा करते हुए बताया है कि छात्रों को दोबारा परीक्षा देने के लिए नए सिरे से कोई रजिस्ट्रेशन नहीं करना होगा।

साथ ही इसके लिए उनसे कोई फीस भी नहीं ली जाएगी। बल्कि छात्रों से जो फीस ली गई है, उसे भी वह वापस करेगा। साथ ही दोबारा परीक्षा का पूरा खर्च एनटीए खुद ही उठाएगा। परीक्षा केंद्र भी नहीं बदले जाएंगे।

इस बीच एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने कहा कि छात्रों के हितों को ध्यान में रखते और परीक्षा की विश्वसनीयता बरकरार रखने के लिए ये फैसला लिया गया है।

इससे पहले भी एनटीए ने रविवार

को नीट- यूजी से जुड़ी गड़बड़ियों के सामने आने पर तुरंत इसकी जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंपे जाने की जानकारी साझा की थी। साथ ही ये कहा था कि जांच में यदि प्रश्नों के लीक होने की पुष्टि होती है तो परीक्षा को लेकर उचित फैसला लिया जाएगा।

नीट-यूजी के पेपर लीक होने की अफवाहें वैसे तो परीक्षा के तुरंत बाद से ही उठने लगी थी, लेकिन शुरू में न तो एनटीए ने और न ही केंद्रीय एजेंसियों ने ध्यान दिया।

दरअसल इस बार नए तरह का गठजोड़ सामने आ रहा है। इस गड़बड़ी को पकड़ने में सफलता तब मिली, जब राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) को छात्रों के पास से एक सेंपल या गेस पेपर हाथ लगा। जिसके 410 प्रश्नों में से 140 से अधिक प्रश्न परीक्षा के मूल प्रश्न से हूबहू मिल रहे थे।

इसकी जानकारी जैसे ही एसओजी ने एनटीए से साझा की, तो एनटीए के भीतर हडकंप मच गया। केंद्रीय एजेंसियों से भी ये इनपुट को आठ मई को साझा किया गया।

बाद में जब केंद्रीय एजेंसियों ने भी प्रश्नों के लीक होने की पुष्टि की तो केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद एनटीए ने पूरी परीक्षा को रद करने का फैसला लिया।

यह सवाल खड़ा हो रहा है कि पेपर छपने के बाद कुछ सवाल गेस पेपर छापने वाली प्रकाशन कंपनी से साझा किया या गेस पेपर से ही सवाल पेपर में शामिल किए गए।

हिमंत बिस्वा सरमा ने दूसरी बार ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

असम, 12 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हिमंता बिस्वा सरमा को असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी और उनके नेतृत्व और प्रशासनिक क्षमताओं की प्रशंसा की। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि असम के लिए एक गौरवशाली दिन! लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार ने पदभार ग्रहण किया है। डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा जी को शपथ ग्रहण पर हार्दिक बधाई। उन्होंने एक उत्कृष्ट प्रशासक के रूप में अपनी पहचान बनाई है और राज्य के लिए अग्रणी कार्य किए हैं। आगामी कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने नव नियुक्त मंत्रियों रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोरो और अजंता नियोग को भी बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि वे असम के विकास पथ को मजबूत करने में योगदान देंगे।

प्रधानमंत्री के संदेश का जवाब देते हुए, सरमा ने शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया

और कहा कि पिछले एक दशक में असम के विकास में उनकी दूरदृष्टि और नेतृत्व ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरमा ने कहा कि आपका मार्गदर्शन हमारी सरकार के लिए सबसे बड़ा प्रेरणास्रोत रहा है। आपके नेतृत्व और दूरदृष्टि ने ही हमें सेवा और समर्पण के मार्ग पर अग्रसर किया है। इस क्षण को भावुक बताते हुए सरमा ने कहा कि असम के मुख्य सेवक के रूप में अपनी शपथ की पुष्टि करना उनके लिए सम्मान की बात है और उन्होंने जनता के कल्याण और आकांक्षाओं के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

उन्होंने कहा कि मां कामाख्या, महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और असम की जनता के आशीर्वाद से मैंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। मंत्रिपरिषद के साथ मिलकर हम जनता की सेवा करने और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तत्पर हैं।

असम के मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके समर्थन और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शाह राज्य में शांति और समृद्धि बहाल करने के प्रयासों में चट्टान की तरह खड़े रहे। सरमा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और असम भर में एनडीए कार्यकताओं को गठबंधन की चुनावी सफलता में योगदान देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने अपने मंत्री सहयोगियों को बधाई भी दी और विकसित और सुरक्षित असम के निर्माण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

अमृत काल जहर युग बन गया, सरकार जिम्मेदार: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 12 मई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को ठएएळ-वऋ 2026 परीक्षा रद्द होने के बाद भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि लाखों छात्रों की मेहनत, बलिदान और सपने सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार के कारण चकनाचूर हो गए हैं। यह प्रतिक्रिया राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) द्वारा 3 मई को आयोजित NEET (UG) 2026 परीक्षा को पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों के बीच रद्द करने की घोषणा के बाद आई है।

सरकार ने इस मामले को व्यापक जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया है। पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा रद्द होने से देशभर के छात्रों और उनके परिवारों पर गहरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि NEET 2026 परीक्षा रद्द कर दी गई है। 22 लाख से अधिक छात्रों

की मेहनत, त्याग और सपनों को इस भ्रष्ट भाजपा सरकार ने चकनाचूर कर दिया है। कांग्रेस नेता ने इस बेहद प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी कर रहे परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक और भावनात्मक बोझ को उजागर किया।

गांधी ने लिखा कि कुछ पिताओं ने कर्ज लिया, कुछ माताओं ने अपने गहने बेच दिए, लाखों बच्चे रात-रात भर जागकर पढ़ाई करते रहे, और बदले में उन्हें पेपर लीक, सरकारी उपेक्षा और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार मिला। इस स्थिति को छात्रों के साथ विश्वासघात बताते हुए उन्होंने आगे कहा कि यह सिर्फ एक विफलता नहीं है—यह युवाओं के भविष्य के खिलाफ एक अपराध है। राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि ईमानदार छात्र पीड़ित हो रहे हैं जबकि पेपर लीक करने वाले जवाबदेही से बच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हर बार पेपर माफिया बिना किसी सजा के बच जाता है, जबकि ईमानदार छात्रों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। उन्होंने पुनर्परीक्षा प्रक्रिया के कारण उम्मीदवारों को होने वाले तनाव की ओर भी इशारा किया। गांधी ने कहा कि अब लाखों छात्रों को एक बार फिर उसी मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा। परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि यदि किसी का भाग्य मेहनत से नहीं बल्कि पैसे और जान-पहचान से तय होता है, तो शिक्षा का क्या अर्थ रह जाता है?

भारत का चीन को कड़ा संदेश: आतंकी दोस्त पाकिस्तान को बचाना बंद करो

नई दिल्ली, 12 मई। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को कथित तकनीकी समर्थन देने को लेकर चीन पर तीखा हमला बोला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि जो देश आतंकवादी ढांचे को बचाने की कोशिशों का समर्थन करते हैं, उन्हें अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और छवि पर पड़ने वाले प्रभाव पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने कहा, हमने ऐसी रिपोर्टें देखी हैं जो पहले से मौजूद जानकारी की पुष्टि करती हैं। जो देश खुद को जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें सोचना चाहिए कि आतंकवादी ढांचे की रक्षा करने के प्रयासों का समर्थन उनकी साख को कैसे प्रभावित करता है।

विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि Operation Sindoor भारत की ओर से किया गया एक सटीक और संतुलित सैन्य अभियान था।

जायसवाल ने कहा कि यह कार्रवाई Pahalgam में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी। इस हमले में 26 नागरिकों की हत्या हुई थी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन का उद्देश्य पाकिस्तान की सरजमीं से संचालित और राज्य समर्थित आतंकी ढांचे को नष्ट करना था। भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाई। सरकारी सूत्रों के अनुसार यह अभियान 88 घंटे तक चला और इसे आधुनिक युद्ध रणनीति का उदाहरण बताया गया। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि इस ऑपरेशन ने दक्षिण एशिया में सैन्य जवाबी कार्रवाई के नियम बदल दिए।

इसी बीच भारत सरकार की Press InormationBureau (PIB) की फैक्ट चेक यूनिट ने पाकिस्तान समर्थित सोशल मीडिया हैंडल्स पर डीपफेक वीडियो फैलाने का आरोप लगाया है। यह वीडियो कथित तौर पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता Randhir Jaiswal की छवि का इस्तेमाल कर बनाया गया था। वीडियो में झूठा दावा किया गया कि भारत ने चार राफेल लड़ाकू विमान खो दिए और बाद में पाकिस्तान का पानी रोकने का फैसला लिया। PIB ने साफ कहा कि यह वीडियो पूरी तरह फर्जी और डिजिटल रूप से छेड़छाड़ किया गया है। एजेंसी ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया।

भारतीय अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और दावों की सत्यता आधिकारिक स्रोतों से जांचे बिना विश्वास न करें। सरकार ने कहा कि यह अभियान भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाने और मनोवैज्ञानिक युद्ध छेड़ने की कोशिश का हिस्सा हो सकता है। भारत ने दोहराया कि आतंकवाद के खिलाफ उसकी जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी और केवल सरकारी पोर्टल्स से जारी जानकारी को ही आधिकारिक माना जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ में शादी का जश्न मातम में बदला, तरबूज खाने से किशोर की मौत, 4 की हालत गंभीर

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के एक गांव में शादी के बाद परिवार के साथ खुशी-खुशी शुरू हुई मुलाकात उस समय दहशत, अस्पताल में भागदौड़ और मौत में तब्दील हो गई, जब घर में रखे तरबूज खाने के कुछ ही घंटों के भीतर पांच बच्चे अचानक बीमार पड़ गए। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चंपा जिले में शादी समारोह के बाद की खुशी भरी मुलाकात उस समय दिल दहला देने वाली घटना में तब्दील हो गई, जब तरबूज खाने के बाद पांच बच्चे अचानक बुरी तरह बीमार पड़ गए। इनमें से एक किशोर की मौत हो गई और चार अन्य अस्पताल में इलाज के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सोमवार दोपहर घुरकोट गांव में एक दुखद घटना घटी। शादी के बाद की हंसी-खुशी और जश्न का माहौल उस समय अफरा-तफरी में बदल गया जब घर में रखा तरबूज खाने के कुछ ही घंटों बाद बच्चे उल्टी करने लगे, पेट में तेज दर्द होने लगा और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। जब तक उनके परिवार वाले उन्हें जिला अस्पताल ले गए, तब तक 15 वर्षीय अखिलेश धीवर ने प्रतिक्रिया देना बंद कर दिया था। बाद में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, बच्चे एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने मामा के गांव पहुंचे थे। दोपहर करीब 12 बजे, उन्होंने घर पर तरबूज और अन्य खाद्य पदार्थ खाए। इसके बाद जो हुआ, उससे पूरा गांव हिल गया। लगभग दो घंटे के भीतर, पांचों बच्चों को उल्टी, दस्त और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। उनकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी, जिससे परिवार के सदस्यों में दहशत फैल गई और वे उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए दौड़ पड़े। बच्चों की पहचान पोडी दलहा के अखिलेश धीवर, अवरीद के श्री धीवर, खटोला के पिंटू धीवर और कोटगढ़ के नरेंद्र धीवर और हितेश धीवर के रूप में हुई।

NEET Paper Leak पर छात्रों का गुस्सा बेकाबू, Kerala में SFI का CAG ऑफिस में घुसकर जोरदार प्रदर्शन

तिरुवनंतपुरम। छात्र संघ (SFI) के सदस्यों ने मंगलवार को तिरुवनंतपुरम में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) कार्यालय तक एक विशाल विरोध मार्च निकाला। यह विरोध प्रदर्शन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा पेपर लीक और परीक्षा में अनियमितताओं के आरोपों के बीच NEET-UG परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में किया गया था। प्रदर्शन हिंसक हो गया जब प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड तोड़ दिए और कार्यालय परिसर में घुस गए। भारी सुरक्षा बल तैनात होने के बावजूद, पुलिस प्रदर्शनकारियों और पुलिस कर्मियों के बीच बढ़ते तनाव को नियंत्रित करने में जूझती रही। सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को कार्यालय में प्रवेश करने से रोकने के लिए वाटर कैन्यन का इस्तेमाल किया। राजधानी में भी एसएफआई द्वारा इसी तरह का विरोध प्रदर्शन

हुआ, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने अखबार के बंद होने के विरोध में तख्तियां पकड़ी हुई थीं। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हस्तक्षेप किया, जिससे झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारियों के नारे पूरे रास्ते गूंजते रहे और वे अखबार लीक नहीं चलेगा के नारे लगा रहे थे।

केंद्र सरकार द्वारा 3 मई को होने वाली NEET-UG 2026 परीक्षा को रद्द करने के फैसले के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। यह कदम पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों के बाद उठाया गया है। सरकार ने आरोपों की व्यापक जांच के लिए मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से प्राप्त जानकारियों की जांच के बाद यह निर्णय लिया गया है।

रोगियों की मुस्कान और उम्मीद का दूसरा नाम हैं नर्सें

-ललित गर्ग

हर वर्ष 12 मई को पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाती है। यह दिन आधुनिक नर्सिंग सेवा की जननी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस उन अनगिनत संवेदनशील हाथों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो दिन-रात रोगियों के दर्द को कम करने, उन्हें जीवन का भरोसा देने और मृत्यु से संघर्ष कर रहे व्यक्ति के भीतर आशा का दीप जलाने का कार्य करते हैं। दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्सें शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं। नर्सें भगवान का रूप होती है, वे ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती है और उनमें करुणा का बीज बोती है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ दे देती हैं। रोगी की सेवा करते हुए वे अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन और वर्तमान सबकुछ झोंक देती है। वर्ष 2026 की थीम हमारी नर्सें, हमारा भविष्य- सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि यदि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाना है तो नर्सों को सम्मान, सुरक्षा, संसाधन और सशक्त वातावरण देना होगा। यह दिवस 1965 से इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज द्वारा शुरू हुआ है, बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश एवं दुनिया में नर्सों द्वारा किए गए अद्भुत सेवा कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है। वह केवल इंजेक्शन लगाने, दवाइयां देने या रिपोर्ट संभालने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह रोगी के मनोबल की संरक्षक होती है। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती है कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों को ह्लधरती के फरिश्तेह्व कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात-रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती है, उनके दर्द की भाषा समझती है, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखती है और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के समय पूरी दुनिया ने देखा कि जब लोग अपने ही परिजनों से दूरी बना रहे थे, तब नर्सें संक्रमित मरीजों के सबसे निकट खड़ी थीं। उन्होंने मृत्यु के भय को पीछे छोड़कर जीवन की रक्षा का संकल्प निभाया। उस दौर ने यह सिद्ध कर दिया कि नर्सें केवल स्वास्थ्यकर्मी नहीं, बल्कि मानवता की सबसे मजबूत प्रहरी हैं।

नर्सिंग सेवा केवल पेशा नहीं, बल्कि करुणा, धैर्य और त्याग की साधना है। एक नर्स उस समय भी मुस्कुराती रहती है जब वह स्वयं मानसिक और शारीरिक थकान से गुजर रही होती है। वह रोगियों के बीच आशा का वातावरण बनाती है। कई बार ऐसे मरीज, जो मानसिक रूप से टूट चुके होते हैं, नर्सों की आत्मीयता और प्रेरणा से पुनः जीवन के प्रति सकारात्मक हो जाते हैं। चिकित्सा विज्ञान में दवाइयों की अपनी भूमिका है, लेकिन संवेदनशील देखभाल और मानसिक संबल रोगी के उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। यही कारण है कि कहा जाता है कि ह्लनर्स का स्पर्श भी एक औषधि हैह्व आज जब दुनिया आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में प्रवेश कर चुकी है, तब भी नर्सिंग सेवा की आवश्यकता और महत्ता कम नहीं हुई, बल्कि और अधिक बढ़ी है। मशीनें रोग का परीक्षण कर सकती हैं, लेकिन वे रोगी की आंखों में छिपे भय को नहीं पढ़ सकतीं। तकनीक इलाज का माध्यम बन सकती है, लेकिन वह करुणा का विकल्प नहीं बन सकती। नर्सों की सबसे बड़ी शक्ति उनकी संवेदनशीलता है, जो उन्हें अन्य सभी स्वास्थ्य सेवाओं से अलग पहचान देती है। इसी कारण आज भी नर्सिंग दुनिया का सबसे अधिक अपेक्षित और सम्मानित स्वास्थ्य पेशा माना जाता है।

विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक प्रशिक्षित नर्सों की कमी है। विकसित देशों में बेहतर वेतन और सुविधाओं के कारण विकासशील देशों की अनेक प्रतिभाशाली नर्सें विदेशों की ओर आकर्षित हो रही हैं। परिणामस्वरूप गरीब और विकासशील देशों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। विश्व स्तर पर नर्सों की बढ़ती आवश्यकता यह संकेत देती है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता नर्सों की उपलब्धता और दक्षता पर ही निर्भर करेगी। इसलिए यह समय नर्सों को केवल ह्लसेवकह्व के रूप में देखने का नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य व्यवस्था के निर्णायक स्तंभ के रूप में स्वीकार करने का है। भारत जैसे विशाल देश में नर्सिंग सेवा को अधिक सशक्त, सम्मानजनक और सुरक्षित बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। नर्सों के लिए बेहतर वेतनमान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां, पर्याप्त अवकाश, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसर सुनिश्चित किये जाने चाहिए। निजी और सरकारी अस्पतालों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां नर्सें सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें। यदि नर्सें स्वयं तनाव, असुरक्षा और उपेक्षा से घिरी रहेंगी, तो स्वास्थ्य सेवाओं की मानवीय गुणवत्ता प्रभावित होगी। इसलिए नर्सों का कल्याण केवल उनका व्यक्तिगत प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी मानवता के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ विषय है।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की 2026 की थीम भी इसी सोच को आगे बढ़ाती है कि ह्लसशक्त नर्सें जीवन बचाती हैंह्व जब नर्सों को प्रशिक्षण, संसाधन, निर्णय लेने का अधिकार और सामाजिक सम्मान मिलेगा, तभी वे अपनी पूरी क्षमता के साथ समाज को स्वस्थ बना सकेंगी। यह दिवस हमें केवल नर्सों का सम्मान करने की प्रेरणा नहीं देता, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि नर्सों के बिना कोई भी स्वास्थ्य व्यवस्था पूर्ण नहीं हो सकती। अस्पतालों की वास्तविक धड़कन नर्सें ही हैं। रोगियों की आंखों में लौटती चमक, परिवारों के चेहरे पर आती राहत और स्वस्थ जीवन की ओर लौटते कदमों में नर्सों की निःस्वार्थ सेवा का मौन योगदान छिपा होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज नर्सों को केवल एक कर्मचारी के रूप में न देखे, बल्कि उन्हें मानवता के संवेदनशील रक्षकों के रूप में पहचाने। बच्चों के जन्म से लेकर जीवन की अंतिम सांस तक नर्सें हर महत्वपूर्ण क्षण में हमारे साथ खड़ी रहती हैं। वे दर्द को कम करती हैं, टूटे मन को संभालती हैं और निराशा में उम्मीद का प्रकाश जगाती हैं। सच तो यह है कि नर्सें केवल शरीर का उपचार नहीं करतीं, वे मनुष्य के भीतर जीने की इच्छा को भी जीवित रखती हैं।

आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये नर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करती है। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं बल्कि इसलिए कि वह सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करती हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मां के स्वरूप में स्नेहपूर्ण और फिक्र के साथ हर किसी की देखभाल और परवाह करने के शब्द को ही नर्स कहा जाता है। वे अस्पताल की रीड होती है। ऐसी मानवीय सेवा की अद्भूत फरिश्तों के कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही नर्सों की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी। इस अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर यही संकल्प अपेक्षित है कि हम नर्सों की सेवाओं को अधिक सम्मान, सुरक्षा और सहयोग प्रदान करें। उनके कल्याण, प्रोत्साहन और सशक्तिकरण का व्यापक चिंतन हो। जब नर्सों का जीवन अधिक सुरक्षित, संतुलित और सम्मानपूर्ण होगा, तब उनकी सेवाएं और अधिक प्रभावी, संवेदनशील और मानवीय बन सकेंगी। यही इस दिवस का वास्तविक उद्देश्य और मानवता के प्रति हमारी सच्ची संवेदनशीलता होगी।

जोड़-तोड़कर सरकार बनाने की रणनीति

अशोक भाटिया

भारतीय जनता पार्टी ने साल 2014 में पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की, तब से विपक्षी सांसदों और विधायकों द्वारा पार्टी की निष्ठा बदलकर भाजपा में शामिल होने के कई उदाहरण सामने आए हैं। राघव चड्ढा के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों का हाल ही में भाजपा में शामिल होना इसी का एक उदाहरण है।

मार्च 2020 में मध्य प्रदेश में कमल नाथ की सरकार गिराने के लिए 22 कांग्रेस विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। कुछ मामलों में नेता सीधे भाजपा में शामिल नहीं होते, लेकिन उसकी मदद करते हैं। जैसे 2020 में मणिपुर में, आठ कांग्रेस विधायकों ने अपनी पार्टी के आदेश (व्हिप) को नहीं माना और विश्वास मत के दौरान वोटिंग से दूर रहे, जिससे भाजपा सरकार बच गई। इसके अलावा, कई बार नेता सीधे भाजपा में भी शामिल हो जाते हैं।

आम आदमी पार्टी के सात बागी सांसदों ने एक ऐसी विधि का इस्तेमाल किया है जिसका इस्तेमाल अतीत में कई बार किया जा चुका है झ दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता से बचने के लिए सदन में पार्टी के दो-तिहाई से अधिक सदस्यों को तोड़ना और पीठासीन अधिकारी के फैसले के अधीन भाजपा के साथ विलय का दावा करना।

आम आदमी पार्टी के सांसदों का दल-बदल पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के लिए एक बड़ा झटका रहा है , जिससे यह संदेश जाता है कि पार्टी पर उनका नियंत्रण नहीं है। भाजपा ने केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए उनके मुख्यमंत्री आवास की योजना को फिर से उठाया है और इस तरह उनके खिलाफ अपने शीश महल विवाद को फिर से हवा देने की कोशिश की है।आम आदमी पार्टी के संकट से पहले भी विपक्षी दलों ने भाजपा पर बार-बार आरोप लगाया है कि वह उनकी पार्टियों को विभाजित करने और अलग हुए गुटों के साथ गठबंधन सरकार बनाने के लिए एक के बाद एक राज्यों में ऑपरेशन लोटस चला रही है। विपक्षी विधायकों द्वारा भाजपा में विलय करके सरकार बनाने में मदद करने के कई मामले भी सामने आए हैं।

2023 में अजीत पवार ने एनसीपी को विभाजित कर दिया। इसमें पार्टी के ज्यादातर विधायकों और नेताओं ने उनका समर्थन किया। एनसीपी ने तब एक बयान जारी कर कहा था, 30 जून, 2023 को एनसीपी के विधायी और संगठनात्मक दोनों विंग के सदस्यों के भारी बहुमत से हस्ताक्षरित एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसके तहत अजीत अनंतराव पवार को एनसीपी का अध्यक्ष चुना गया। एनसीपी ने अजीत पवार को महाराष्ट्र विधानसभा में एनसीपी विधायक दल का नेता नियुक्त करने का भी निर्णय लिया और इस निर्णय को एनसीपी विधायकों के भारी बहुमत से पारित प्रस्ताव द्वारा अनुमोदित किया गया।ह्लइसके बाद, दिवंगत अजीत पवार ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर अपने गुट को असली एनसीपी के रूप में मान्यता देने की मांग की, साथ ही उन्होंने शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला।

2022 में शिंदे ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को विभाजित कर दिया और उसके 55 विधायकों में से 40 और 19 सांसदों में से 12 को अपने साथ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में ले गए। इन दोनों ही मामलों में, चुनाव आयोग ने अलग हुए गुटों को मूल पार्टी चिन्ह दिया और शिंदे सेना और अजीत एनसीपी दोनों को असली पार्टी के रूप में मान्यता दी।

शिंदे का उद्देश्य उद्धव सेना को विभाजित करके भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बनना था। वहीं, एनसीपी के मामले में, अजीत पवार का लक्ष्य न केवल सरकार में शामिल होना था, बल्कि शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी की विरासत पर दावा करना और अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले को दरकिनार करना भी था। दोनों ही मामलों में भाजपा को लाभ हुआ, क्योंकि उद्धव सरकार के पतन के बाद एनडीए सत्ता में आया और फिर उसने अपनी स्थिति और मजबूत कर ली।नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों में एनडीए की शानदार जीत के बाद भाजपा ने देवेंद्र फड़नवीस को अपना मुख्यमंत्री बनाया और सहयोगी दलों ने उनके उपमुख्यमंत्री के पद पर समझौता कर लिया। 2019 में टीडीपी के छह राज्यसभा सांसदों में से चार भाजपा में शामिल हो गए। इससे उच्च सदन में पार्टी की संख्या दो-तिहाई हो गई। एक दिन बाद, तत्कालीन राज्यसभा अध्यक्ष एम। वेंकैया नायडू ने सदन में टीडीपी संसदीय दल को भाजपा में विलय करने का आदेश जारी किया।

पार्टी के लोकसभा सांसदों ने नायडू को पत्र लिखकर कहा कि संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत विलय संगठनात्मक स्तर पर हो सकता है, न कि विधायक दल स्तर पर। इस स्थिति में, दल-बदल करने वाले सांसदों ने उच्च सदन में भाजपा की संख्या को और मजबूत किया। अब, एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली टीडीपी आंध्र प्रदेश सरकार और केंद्र दोनों में भाजपा की एक प्रमुख सहयोगी रही है।

गोवा में इस तरह के विलय कई बार हो चुके हैं। 2019 में, कांग्रेस के 15 विधायकों में से 10 भाजपा में शामिल हो गए, जिससे 40 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा की संख्या 27 हो गई। इसे अदालतों में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2026 में फैसला सुनाया कि राज्य में नए विधानसभा चुनाव हो चुके हैं, इसलिए यह मामला अब निरर्थक हो गया है।2022 में भी गोवा में कांग्रेस के 11 विधायकों में से आठ ने भाजपा में विलय की घोषणा की, जिससे भाजपा को आराम से बहुमत मिल गया। 2024 में, राज्य विधानसभा अध्यक्ष रमेश तावडकर ने 10वीं अनुसूची के उल्लंघन के लिए उन्हें अयोग्य घोषित करने की कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दिया।

मनोहर पर्रिकर की मृत्यु के बाद मुख्यमंत्री बने प्रमोद सावंत को इन विलयों के कारण स्थिर सरकारें चलाने में मदद मिली। 2019 के विलय ने उन्हें गोवा फॉरवर्ड पार्टी और एमजीपी जैसे क्षेत्रीय सहयोगियों पर निर्भर हुए बिना बहुमत हासिल करने में सक्षम बनाया। 2022 के चुनावों में भाजपा ने 20 सीटें जीतीं और सावंत ने मात्र 666 वोटों से चुनाव जीता, लेकिन इस विलय ने भाजपा सरकार को और मजबूत किया। अरुणाचल प्रदेश में 2016 में, तत्कालीन मुख्यमंत्री पेमा खांडू के नेतृत्व में कांग्रेस के 44 विधायकों में से 43 ने एनडीए के एनईडीए की सहयोगी पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) में शामिल हो गए। दो महीने बाद, खांडू ने पीपीए को तोड़ दिया और 32 विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए। खांडू मुख्यमंत्री बने रहे और इस दौरान वे कमजोर कांग्रेस से केंद्र में मजबूत भाजपा की सत्ता में आने में सफल रहे।

2019 में सिक्किम में विधानसभा चुनावों में सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट की हार के बाद, पार्टी के 13 विधायकों में से 10 भाजपा में शामिल हो गए। इससे भाजपा , जिसके पास कोई विधायक नहीं था, सिक्किम क्रांति मोर्चा द्वारा शासित राज्य में मुख्य विपक्षी दल बन गई। पंजाब में विधानसभा चुनाव 2027 में होने जा रहे है जहाँ आम आदमी के मुख्यमंत्री भगवंत मान है । उसके पहले अब भाजपा का ऑपरेशन कमल का डंडा पंजाब में चलने वाला है । राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी के छह अन्य सांसदों के बाद, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई ज्ञान सिंह सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में आयोजित इस समारोह में उपस्थित थे। ज्ञान सिंह का भाजपा में शामिल होना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि वे लोकसभा और विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के प्रमुख अभियान रणनीतिकार रहे हैं।

आगामी नगर निकाय चुनावों से ठीक पहले, एक महत्वपूर्ण समय पर पार्टी में शामिल होने का उनका निर्णय पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के भाई होने के बावजूद, ज्ञान सिंह ने पहले भी राज्य प्रशासन की आलोचना की है, विशेष रूप से पंजाब में आई बाढ़ से निपटने के तरीके की, और दावा किया है कि प्रशासनिक विफलताओं ने जनता की पीड़ा को और बढ़ा दिया।

एक कार्यकर्ता और पूर्व आम आदमी पार्टी रणनीतिकार के रूप में, उन्होंने अक्सर सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों का उपयोग करके सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों पर सवाल उठाए हैं, और अक्सर ऐसे रुख अपनाए हैं जो पार्टी के आधिकारिक रुख के विपरीत थे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि उनके इस निर्णय से भाजपा को शासन और आंतरिक मामलों को लेकर आम आदमी पार्टी प्रशासन पर हमले करने में और मजबूती मिलेगी।

एक कार्यकर्ता और पूर्व आम आदमी पार्टी रणनीतिकार के रूप में, उन्होंने अक्सर महत्वपूर्ण सरकारी नीतियों पर सवाल उठाने के लिए सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों का इस्तेमाल किया, और अक्सर ऐसे रुख का समर्थन किया जो पार्टी की आधिकारिक स्थिति के विपरीत थे ।शोक भाटिया,

नीट परीक्षा रद्द, छात्र परेशान, सड़क पर संग्राम

-संजय सक्सेना

तीन मई को संपन्न हुई नीट अंडर ग्रेजुएट परीक्षा पर एक बार फिर ग्रहण लग गया है। देशभर के लाखों छात्रों की उम्मीदों पर पानी फिर गया, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा रद्द करने का ऐलान कर दिया। नीट परीक्षा में करीब 24 लाख परीक्षार्थी बैठे थे। पेपर लीक की खबरों ने पूरे सिस्टम को हिला दिया। राजस्थान से पेपर आउट होने की अफवाहें तेज हैं और विपक्ष ने इसे मोदी सरकार पर सीधा हमला बोल दिया। छात्र सड़कों पर उतर आए, आक्रोश की लहर दौड़ गई। सरकार ने आनन-फानन में नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दे दिया है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर बार-बार ऐसा क्यों हो रहा है? शिक्षा माफिया की साजिशें कब थमेगी? यह कोई नई घटना नहीं। पिछले सालों में कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इन घटनाओं ने न सिर्फ छात्रों का भविष्य दांव पर लगा दिया, बल्कि राजनीतिक घमासान भी खड़ा कर दिया। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या परीक्षा प्रणाली में सुधार की बातें बेईमानी साबित हो रही हैं? क्या सरकार भरोसा दिला सकती है कि दोबारा परीक्षा लीक नहीं होगी? बात नीट कांड की शुरूआत कैसे हुई, की जाए तो तीन मई को सुबह नौ बजे शुरू हुई परीक्षा के कुछ घंटों बाद ही सोशल मीडिया पर पेपर के सवाल वायरल हो गए। राजस्थान के सीकर और जयपुर इलाकों से लीक की पुष्टि हुई। तत्पश्चात, पुलिस अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार भी कर चुकी है, जिनमें परीक्षा केंद्र के कुछ कर्मचारी और दलाल शामिल हैं। ये गिरफ्तारियां साजिश के एक बड़े नेटवर्क का पदार्फाश कर रही हैं। छात्रों का कहना है कि बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी पेपर पहले से बिक रहा था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने रद्दीकरण का फैसला लेते हुए नई तारीख जल्द घोषित करने का वादा किया है, लेकिन छात्रों का गुस्सा ठंडा होने का नाम नहीं ले रहा। दिल्ली, मुंबई और पटना में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। परिवार वाले चिंतित हैं कि दोबारा परीक्षा का बोझ कैसे झेलें।

पिछले सालों के काले अध्याय याद आते हैं, जब परीक्षा प्रणाली पर सेंध लग चुकी थी। 2015 में वाइब्रेंट गुजरात के दौरान आयोजित जीएलओई परीक्षा का पेपर लीक हुआ। सैकड़ों उम्मीदवारों को फायदा पहुंचा। फिर 2021 में बिहार के बीपीएससी परीक्षा का मामला सामने आया, जहां पेपर सॉल्वर गिरोह ने हल्ला बोल दिया। 2022 में यूपीटीईटी का पेपर लीक हुआ, जिसके बाद परीक्षा रद्द करनी पड़ी। उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के आदेश दिए, लेकिन दोषियों को सजा मिलने में देरी हुई। इसी साल फरवरी में रोहिणी परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया। बिहार में नीट पीजी का कांड तो सुर्खियों में रहा। सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप कर परीक्षा स्थगित की। महाराष्ट्र में एमपीएससी का पेपर लीक होने से हड़कंप मच गया। ये घटनाएं बताती हैं कि शिक्षा माफिया का जाल कितना गहरा है। ये गिरोह परीक्षा केंद्रों के अंदरूनी लोगों से सेटिंग कर पेपर हासिल कर लेते हैं और अमीर छात्रों को बेच देते हैं। इन पेपर लीक मामलों पर राजनीति का खेल हमेशा चरम पर रहता है। विपक्ष इसे सरकार की नाकामी बताकर हमला बोलता है। इस बार नीट रद्दीकरण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर कहा कि मोदी सरकार छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। राहुल गांधी ने संसद में बहस की मांग की। आप के अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में छात्रों का साथ देते हुए शिक्षा मंत्री पर सवाल उठाए। वहीं भाजपा ने इसे राज्य सरकारों की साजिश बताया, खासकर राजस्थान और बिहार में। 2022 के यूपीटीईटी कांड में सपा ने योगी सरकार को घेरा था, जबकि भाजपा ने विपक्षी राज्यों को जिम्मेदार ठहराया। बिहार में नीट पीजी लीक पर आरजेडी और जदयू ने नीतीश कुमार सरकार पर तीर चलाए। हर बार चुनावी मौसम में ये मामले राजनीतिक हथियार बन जाते हैं। पार्टियां वोट बैंक के लिए छात्र आंदोलनों का फायदा उठाती हैं, लेकिन स्थायी समाधान कोई नहीं देता। यह राजनीतिक नौटंकी छात्रों के दर्द को और बढ़ा देती है।

वैसे, पेपर लीक कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला लंबा है, लेकिन नाकाफी। पुलिस अक्सर गिरफ्तारियां तो करती है, मगर सजा मिलना मुश्किल होता है। 2022 के यूपीटीईटी मामले में एसटीएफ ने 15 लोगों को पकड़ा, लेकिन अदालत में केस लंबा खिंच गया। बिहार में 2024 के बीपीएससी कांड में 20 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुईं, कई को जमानत मिल गई। राजस्थान पुलिस ने नीट मामले में अब तक आठ को हिरासत में लिया, लेकिन मास्टरमाइंड फरार हैं। कानून में सख्त प्रावधान हैं। पब्लिक एग्जामिनेशन अथॉरिटी एक्ट 2024 के तहत पेपर लीक पर दस साल की सजा और जुर्माना है। फिर भी अमल कमजोर है। सॉल्वर गिरोहों पर नकेल कसने के लिए विशेष अदालतें बनाई गईं, लेकिन भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं। कई मामलों में अधिकारी ही शामिल पाए गए, जिससे जांच प्रभावित होती है। कार्रवाई दिखावटी रह जाती है। परीक्षा लीक मामले में न्यायपालिका ने कई बार सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी लीक पर केंद्र को फटकार लगाई और निष्पक्ष जांच का आदेश दिया। यूपीटीईटी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने परीक्षा रद्द कर दोबारा आयोजित करने को कहा। कोर्ट ने कहा कि छात्रों का भविष्य दांव पर नहीं लग सकता। 2023 में बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा पर पटना हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप किया। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की बेंच ने स्पष्ट कहा कि पेपर लीक पारदर्शिता का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल सर्विलांस और सख्त सुरक्षा के निर्देश दिए। लेकिन कोर्ट के फैसले लागू करने में देरी होती है। न्यायपालिका ने कई बार सरकार को केंद्रीय एजेंसी बनाने का सुझाव दिया, ताकि राज्य स्तर पर भ्रष्टाचार रोका जा सके। कोर्ट छात्रों के हित में खड़ा दिखता है, लेकिन सिस्टम की कमजोरी उजागर करता रहता है।

एनजीओ ने भी इस लड़ाई में अहम भूमिका निभाई है। राइट टू एजुकेशन फोरम और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन जैसे संगठन ने कई पिटीशन दाखिल कीं। 2022 में यूपीटीईटी पीड़ित छात्रों ने एनजीओ की मदद से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ट्रांसपेरेंसी इन एजुकेशन सोसाइटी ने नीट कांड पर रिपोर्ट जारी कर मांग की कि परीक्षा प्रक्रिया में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी इस्तेमाल हो। ये संगठन छात्रों को कानूनी सहायता देते हैं और जागरूकता फैलाते हैं। बिहार में जस्टिस फॉर स्टूडेंट्स एनजीओ ने सॉल्वर गिरोह के खिलाफ स्टिंग ऑपरेशन किए। एनजीओ ने सरकार पर दबाव डाला कि पेपर लीक रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम अपनाया जाए। इनकी सक्रियता से कई मामलों में तेज कार्रवाई हुई, लेकिन संसाधनों की कमी से प्रभाव सीमित रहता है। फिर भी ये सिविल सोसाइटी की आवाज बनते हैं। बहरहाल, लाख टके का सवाल यही है कि यह सिलसिला कब थमेगा? नीट रद्दीकरण ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लाखों छात्रों का एक साल बर्बाद हो गया। शिक्षा माफिया को कुचलने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। राजनीतिक दलों को आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर सुधार पर ध्यान देना चाहिए। न्यायपालिका और एनजीओ की भूमिका सराहनीय है, लेकिन सरकार की जिम्मेदारी सबसे बड़ी है। अगर अब भी सुधार नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ी का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। छात्रों की मेहनत व्यर्थ नहीं होनी चाहिए। उम्मीद है कि इस कांड से सबक लिया जाएगा।

शिक्षा का व्यवसायीकरण : ज्ञान से ज्यादा डिग्री की दौड़

-विक्रम दयाल

सुबह के अखबार में चमकते विज्ञापन–100% प्लेसमेंट, ग्लोबल करियर की गारंटी, सीमित सीटें–मानो शिक्षा नहीं, किसी उत्पाद की बिक्री हो रही हो। स्कूल और कॉलेज अब मंदिरों की तरह नहीं, बल्कि बाजार की दुकानों की तरह दिखने लगे हैं, जहाँ ज्ञान नहीं, पैकेज और प्रतिशत का मूल्य तय होता है। इस बदलते परिदृश्य में एक सवाल बार-बार उठता है–क्या हम सच में शिक्षित हो रहे हैं, या सिर्फ डिग्रियों का संग्रह कर रहे हैं? एक समय था जब शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के भीतर समझ, विवेक और संस्कार का विकास करना था। गुरुकुलों में या साधारण कक्षाओं में भी ज्ञान का सम्मान सर्वोपरि था। शिक्षक मार्गदर्शक होते थे, और विद्यार्थी जिज्ञासा से भरे साधक। आज वही शिक्षा एक प्रतिस्पर्धी दौड़ बन चुकी है, जहाँ लक्ष्य सीखना नहीं, बल्कि आगे निकलना है–किसी भी कीमत पर। शिक्षा के इस व्यवसायीकरण ने सबसे पहले उसकी आत्मा को प्रभावित किया है। महंगे कोर्स, ऊँची फीस और दिखावटी सुविधाएँ–इन सबने शिक्षा को एक लक्जरी बना दिया है, जिसे हर कोई वहन नहीं कर सकता। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह एक बोझ बन गया है, जहाँ माता-पिता अपने सपनों को गिरवी रखकर बच्चों को अच्छे संस्थान में भेजते हैं, ताकि उन्हें एक बेहतर भविष्य मिल सके। लेकिन क्या केवल महंगे संस्थान ही बेहतर भविष्य की गारंटी देते हैं? दूसरी ओर, विद्यार्थियों पर भी इस दौड़ का गहरा प्रभाव पड़ रहा है। वे अब विषय को समझने के बजाय अंक प्राप्त करने पर अधिक ध्यान देने लगे हैं। कोचिंग संस्थानों की भरमार ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ा दिया है, जहाँ ट्रिक्स और शॉर्टकट्स के माध्यम से सफलता हासिल करने का रास्ता दिखाया जाता है। परिणामस्वरूप, ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है और डिग्रियों का ढेर बढ़ता जा रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस दौड़ में नैतिक मूल्यों का ह्रास भी हो रहा है। जब सफलता का मापदंड केवल अंक और डिग्री रह जाए, तो ईमानदारी, परिश्रम और जिज्ञासा जैसे गुण पीछे छूट जाते हैं। नकल, दबाव और मानसिक तनाव विद्यार्थियों के जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। कई युवा इस दबाव में अपनी दिशा खो देते हैं, और कुछ तो टूट भी जाते हैं। परंतु, क्या इसका समाधान संभव है? निश्चित ही है। सबसे पहले, हमें शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को पुनः समझना होगा–शिक्षा केवल रोजगार पाने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को समझने और समाज को बेहतर बनाने का साधन है। संस्थानों को भी अपनी प्राथमिकताओं को बदलना होगा–दिखावे और लाभ के बजाय गुणवत्ता और मूल्यों पर ध्यान देना होगा। अभिभावकों और विद्यार्थियों को भी यह समझना होगा कि सफलता केवल डिग्री से नहीं, बल्कि कौशल, समझ और दृष्टिकोण से तय होती है। एक सच्चा शिक्षित व्यक्ति वही है, जो अपने ज्ञान का उपयोग समाज के हित में कर सके, न कि केवल अपनी उपलब्धियों के प्रदर्शन के लिए। अंततः, शिक्षा का व्यवसायीकरण एक चुनौती है, लेकिन यह हमारे सामूहिक प्रयास से सुधर सकती है। यदि हम ज्ञान को फिर से केंद्र में रखें और डिग्री को केवल एक साधन मानें, तो शिक्षा अपनी खोई हुई गरिमा को वापस पा सकती है। संदेश यही है–डिग्री नहीं, ज्ञान को अपना लक्ष्य बनाइए; क्योंकि असली सफलता कागज के प्रमाणपत्र में नहीं, बल्कि आपके विचारों और कर्मों में झलकती है।

वैश्विक संकट के दौर में प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्र निर्माण का महामंत्र

प्रधानमंत्री द्वारा कल देश के नाम की गई अपील महज एक सरकारी वक्तव्य नहीं, बल्कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक गहरे आर्थिक दर्शन का शंखनाद है। उन्होंने राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को एक नई भूमिका सौंपते हुए आह्वान किया कि अब समय आ गया है जब हममें से हर किसी को देश हित में 'वित्त मंत्री' बनना होगा। यह विचार इस बुनियादी सत्य पर आधारित है कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था मंत्रालयों की फाइलों में नहीं, बल्कि देश के करोड़ों घरों की रसोई, बजट और निवेश के निर्णयों में धड़कती है। जब हम 'वित्त मंत्री' बनने की बात करते हैं, तो इसका अर्थ केवल किफायत बरतना नहीं है, बल्कि एक सजग और सक्रिय आर्थिक नागरिक बनना है। जिस तरह देश का वित्त मंत्री सीमित संसाधनों में अधिकतम विकास का खाका तैयार करता है, उसी तरह हर नागरिक को अपने व्यक्तिगत संसाधनों का प्रबंधन राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में करने की आवश्यकता है। हमारे द्वारा की गई एक छोटी सी बचत जब बैंक के माध्यम से देश के वित्तीय तंत्र में प्रवेश करती है, तो वह केवल हमारी निजी संपत्ति नहीं रह जाती, बल्कि वह राष्ट्र के बुनियादी ढांचे , सड़कों, स्कूलों और अस्पतालों के निर्माण के लिए ऑक्सीजन का काम करती है।

इस विचार का एक अत्यंत रोचक और महत्वपूर्ण पहलू है 'खपत का चरित्र'। प्रधानमंत्री ने संकेत दिया कि हमारे क्रय निर्णय देश की दिशा तय करते हैं। जब एक जागरूक नागरिक के रूप में हम विदेशी चमक-धमक के बजाय 'स्वदेशी' और 'लोकल' उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं, तो हम अनजाने में ही सीमा पर तैनात सैनिक की तरह देश की आर्थिक संप्रभुता की रक्षा कर रहे होते हैं। एक गृहणी जब घर के बजट में स्थानीय हस्तशिल्प या ग्रामीण उत्पादों को जगह देती है, तो वह सीधे तौर पर एक बुनकर या छोटे उद्यमी के घर में खुशहाली का दीया जलाती है। यही वह 'माइक्रो-मैनेजमेंट' है, जो वृहद स्तर पर भारत को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएगा। भोजन में तेल की मात्रा हमारे स्वास्थ्य के साथ ही देश के आयात को प्रभावित करती है।

इसके साथ ही, डिजिटल लेन-देन को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना अब केवल आधुनिकता का पैमाना नहीं, बल्कि एक देशभक्तिपूर्ण कर्तव्य बन चुका है। पारदर्शी लेनदेन से न केवल काले धन पर लगाम लगती है, बल्कि अर्थव्यवस्था की रगों में दौड़ने वाला रक्त भी शुद्ध होता है। प्रधानमंत्री की यह अपील हमें यह भी सिखाती है कि अपव्यय रोकना ही सबसे बड़ी कमाई है। संसाधनों का अपव्यय चाहे वह अन्न का हो, ऊर्जा का हो या धन का, अंततः राष्ट्र की ही हानि है। पूल करके या सार्वजनिक परिवहन से यात्रा से जो पेट्रोल बचेगा वह हमारा घरेलू ही नहीं देश का बजट भी सुधारेगा। यह अपील हमें एक उपभोक्ता से ऊपर उठाकर एक राष्ट्र-निमार्ता के पायदान पर खड़ा करती है। जब देश का हर व्यक्ति वित्तीय रूप से साक्षर होगा, जिम्मेदारी से खर्च करेगा और सूझबूझ से निवेश करेगा, गोल्ड की खरीदी रोकेगा तो भारत को आर्थिक महाशक्ति बनने में मदद होगी। अब जिम्मेदारी हमारी है कि हम अपनी फाइलों और हिसाब की डायरियों को देश के भविष्य से जोड़ें। वाकई, यदि हम सब अपने घर के कुशल वित्त मंत्री बन सकें, तो 140 करोड़ हाथों के साथ देश की तरक्की भी होगी।

-विवेक रंजन श्रीवास्तव - विभूति फीचर्स

जुड़वा भाइयों ने एसएससी परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर बढाया यादव समाज का मान, मिल रही बधाइयां

कल्याण (उत्तरशक्ति)। गणराज इंग्लिश हाई स्कूल, नांदीवली (कल्याण ईस्ट) के एसएससी बोर्ड परीक्षा 2025-26 के परिणाम में जुड़वा भाइयों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर परिवार और समाज का नाम रोशन किया है। विद्यालय के छात्र पवन संतोष यादव ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि उनके जुड़वा भाई पीयूष संतोष यादव ने 88 प्रतिशत अंक हासिल कर शानदार सफलता दर्ज की। दोनों भाइयों की इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। पवन और पीयूष की मेहनत, अनुशासन और लगन की हर ओर सराहना की जा रही है। उनकी सफलता पर यादव समाज की विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, समाजसेवकों तथा गणमान्य लोगों ने दोनों विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। समाज के लोगों ने कहा कि दोनों भाइयों ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत और निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी बनी है।

कल्याण पूर्व के संतोष नगर में नाला सफाई का निरीक्षण करने पहुंचे शिवसेना नेता महेश गायकवाड़

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के संतोष नगर क्षेत्र में नाला सफाई कार्य का निरीक्षण करने शिवसेना नेता महेश गायकवाड़ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने चल रहे सफाई कार्य का जायजा लिया और संबंधित ठेकेदार को नाले में जमी मिट्टी, गाद और कचरे की पूरी तरह सफाई करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

महेश गायकवाड़ ने कहा कि बरसात के मौसम से पहले नालों की समुचित सफाई बेहद जरूरी है, ताकि जलभराव की समस्या से नागरिकों को परेशानी न हो। उन्होंने ठेकेदार को चेतावनी देते हुए कहा कि सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और काम पूरी गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा होना चाहिए। स्थानीय नागरिकों ने भी नाला सफाई की मांग लंबे समय से उठाई थी। निरीक्षण के दौरान नागरिकों ने अपनी समस्याएं महेश गायकवाड़ के सामने रखीं, जिस पर उन्होंने जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

राजस्व विभाग अपर आयुक्त के आदेश पर ठाणे जिले में 365 दिन सक्रिय रहेगी रैपिड एक्शन टीम

भिवंडी। ठाणे जिले में आग, बारिश, प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अब वर्ष के 365 दिन स्थायी रैपिड एक्शन टीम (जलद कृती टीम) कार्यरत रहेगी। इस संबंध में अपर आयुक्त (राजस्व) तथा पदसिद्ध विशेष कार्य अधिकारी, मुख्यमंत्री सचिवालय कक्ष कोकण विभाग के आदेश पर ठाणे जिलाधिकारी ने जिले के सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।जारी आदेश के अनुसार ठाणे, नवी मुंबई, मीरा-भाईंदर, कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी और उल्हासनगर महानगरपालिकाओं के आयुक्त, जिला परिषद ठाणे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ठाणे पुलिस आयुक्त, पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता, सभी तहसीलदार, उपविभागीय अधिकारी, गटविकास अधिकारी, पंचायत समिति प्रबंधक, टोरेंट पॉवर लिमिटेड तथा नागरी संरक्षण दल के अधिकारियों को आपदा प्रबंधन के लिए सतर्क रहने और टीम गठन के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया है कि राष्ट्रीय मानव हक्क मंच के अध्यक्ष शरद धुमाल ने राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को ज्ञापन सौंपकर ठाणे जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती आगजनी, अतिवृष्टि आपदा तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित संकटों को देखते हुए आपत्ती व्यवस्थापन अधिनियम 2005 के तहत स्थायी रैपिड एक्शन टीम गठित करने की मांग की थी। सरकार द्वारा इस मांग को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई किए जाने पर सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने शरद धुमाल का अभिनंदन किया है।

मेरी वाइफ इतना परेशान है मुझसे, राजीव खंडेलवाल ने शेयर की अपनी ऑर्गेनिक ब्यूटी रूटीन

मुंबई/पटना। तुम हो ना घर की सुपरस्टार के आने वाले एपिसोड में दर्शकों को एक चौंकाने वाला और बेहद फ्रेश पल देखने को मिलेगा। शो के होस्ट राजीव खंडेलवाल ने इस बार अपने पर्सनल लाइफस्टाइल की झलक दिखाई और बताया कि कैसे वे ऑर्गेनिक लिविंग और नेचुरल सेल्फ-केयर को अपनाते हैं। कंटेस्टेंट हेमा का परिचय कराते हुए, राजीव ने हल्के-फुल्के अंदाज में शुरूआत की। उन्होंने उनकी खूबसूरती की तारीफ की और मजाकिया अंदाज में कहा कि अक्सर पुरुष शिकायत करते हैं कि उनकी पत्नियाँ मेकअप में बहुत ज्यादा समय लगाती हैं। लेकिन इसके बाद बातचीत ने एक अप्रत्याशित मोड़ लिया, जब राजीव ने अपनी पसंद को हेमा की सोच से जोड़ते हुए कहा और उनकी ब्यूटी अप्रोच से समानता दिखाई। उनकी सोच की समानता को उजागर करते हुए, राजीव ने कहा, मेरा और इनका टेस्ट बहुत मिलता है, बहुत सिमिलर है। मैं भी ऑर्गेनिक में बहुत बिलीव करता हूँ। उन्होंने आगे बढ़ते हुए हेमा की डेडिकेशन को सराहा और जोड़ा, पर आप तो मुझसे एक कदम आगे हैं, आप तो अपने ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी ऑर्गेनिक बनाते हैं और खुद घर में तैयार करते हैं। जब हेमा ने बताया कि उन्होंने कमर्शियल प्रोडक्ट्स में मौजूद केमिकल्स की वजह से ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स को अपनाया है और आयुर्वेद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई, तो राजीव ने एक पर्सनल इनसाइट साझा किया जिसने सबका ध्यान खींच लिया। अपनी रूटीन के बारे में खुलकर बात करते हुए राजीव ने कहा आपको बताऊँ, मैं भी बहुत अच्छे रास्ते पर हूँ।

मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच सेल-4 ने एमडी ड्रग्स के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच सेल चार ने एमडी ड्रग्स के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों के निर्माण में उपयोग होने वाले रसायन और अत्याधुनिक लैब उपकरण जब्त करने में सफलता हासिल की है। बिगत दिनांक 04/04/2026 को दोपहर 3:05 बजे नयानगर, मीरा रोड पूर्व स्थित छेड़ा आदर्श बिल्डिंग के कमरा नंबर 202 में रहने वाली श्रीमती फिरदौस अरबाज कुरैशी के घर पर छापेमारी कर पुलिस ने 2 करोड़ 66 लाख 17 हजार 280 रुपये मूल्य का 1 किलो 324 ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया। जांच में सामने आया कि यह मादक पदार्थ उनके पति अरबाज वकील कुरैशी का था। इस मामले में नयानगर पुलिस स्टेशन में

अपराध क्रमांक 102/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 8(ए), 21(ए), 22(ए) और 29 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर जांच क्राइम ब्रांच सेल-4 को सौंपी गई। विस्तृत जांच के दौरान पुलिस ने अब तक दो महिला और ग्यारह पुरुष आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में कुल 6 किलो 773 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई। वहीं आरोपी क्रमांक 12 और 13 के पास से एमडी ड्रग तैयार करने में उपयोग होने वाले लगभग 255 लीटर रसायन और प्रयोगशाला उपकरण जब्त किए गए। इनमें सोडियम हाइड्रोक्साइड पेलेट्स, हाइड्रोक्लोरिक एसिड, एसीटोन, डाइक्लोरोमीथेन, मिथाइलमाइन, क्लोरोफॉर्म सहित हीटिंग ड्रायर, सेपरेशन फ्लास्क, हीटिंग मेंटल, रिकवरी फ्लास्क, फोर फिंगर क्लैंप, एडिशन पॉट और बुचनर फनल जैसे उपकरण शामिल हैं। पुलिस ने मुंबई के समन नगर (मालवणी), आजमी नगर (मालवणी) तथा मौजे मनोरि-गोराई क्षेत्रों में भी कार्रवाई करते हुए कुल 13 करोड़ 65 लाख 45 हजार 95 रुपये मूल्य का माल जब्त किया है। मामले की आगे की जांच क्राइम डिटेक्शन ब्रांच सेल-4 द्वारा जारी है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे तथा सहायक पुलिस आयुक्त मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच सेल-4 की प्रभारी पोनि प्रमोद बडाख,सपोनि प्रशांत गागुंडे, दत्तात्रेय सरक,सफौ मनोहर तावरे, संतोष मदने, दीपाली जाधव, पो,हवा शिवाजी पाटील, रविंद्र भालेराव, विजय गायकवाड, प्रवीणराज पवार, धनंजय चौधरी, हनुमंत सूर्यवंशी, समीर यादव, अष्विन पाटिल, रविंद्र कांबले, संदीप शेरमाले, विकास राजपूत, सनि सूर्यवंशी, मसुब सचिन चौधरी, टीम द्वारा अंजाम दी गई।

विश्व परिचारिका दिन पर परिचारकाओं को सम्मानित किया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गोवंडी के मदन मोहन मालवीय शताब्दी अस्पताल में परिचारिका दिवस के अवसर पर अस्पताल की परिचारिकाओं को सम्मानित किया गया। संत गाडगे महाराज एक चलवल के संस्थापक राजेंद्र नगराले की ओर से आयोजित परिचारिकाओं के इस सम्मान समारोह में अनेक लोग उपस्थित थे। इस दौरान सभी परिचारिकाओं को तुलसी का पौधा देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आयोजक राजेंद्र नगराले ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि दिन रात मेहनत करके मरीजों का इलाज करने वाली परिचारिकाएं भी सम्मान की पात्र हैं। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए परिचारिका दिवस पर परिचारिकाओं को तुलसी का पौधा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अशोक ठाकरे, सतीश वैद्य दीपक खैरे सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सत्त्वा ग्रुप ने सत्त्वा सुमेरा के साथ मुंबई में अपना पहला प्रोजेक्ट लॉन्च किया

मुंबई। भारत के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक, सत्त्वा ग्रुप ने 'सत्त्वा सुमेरा' के लॉन्च की घोषणा की है। यह मुंबई में समूह का पहला आवासीय प्रोजेक्ट है, जिसकी ग्रॉस डेवलपमेंट वैल्यू 5,500 करोड़ रुपये है। यह प्रोजेक्ट शहर में ग्रुप की रीडेवलपमेंट (पुनर्विकास) पाइपलाइन का हिस्सा है और भारत के सबसे जटिल और उच्च-मूल्य वाले रियल एस्टेट बाजारों में से एक में अपनी उपस्थिति स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह विकास ऐसे समय में हो रहा है जब मुंबई का रियल एस्टेट परिदृश्य तेजी से रीडेवलपमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार और शहरी जीवन से जुड़ी बदलती अपेक्षाओं से प्रभावित हो रहा है। बेंगलुरु और अन्य प्रमुख शहरी केंद्रों में मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, सत्त्वा ग्रुप योजना, डिजाइन और क्रियान्वयन में एक अनुशासित दृष्टिकोण लेकर आया है।मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के परेल में स्थित, सत्त्वा सुमेरा एक ऐसे सेंट्रल कॉरिडोर में स्थित है, जहां मजबूत कनेक्टिविटी और जारी इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड का लाभ मिलता है। यह प्रोजेक्ट आगामी शिवड़ी-वर्ली कनेक्टर के माध्यम से बांद्रा-वर्ली सी लिंक तक पहुंच प्रदान करता है, जिससे लोअर परेल निकट हो जाता है। यह ईस्टर्न फ्रीवे, अटल सेतु और प्रस्तावित मेट्रो लाइन 11 से भी जुड़ा है, जिससे साउथ मुंबई और प्रमुख कमर्शियल हब्स तक पहुंच आसान हो जाएगी। करीब दो एकड़ भूमि पर फैले इस प्रोजेक्ट में लगभग 200 मीटर ऊंचाई तक उठने वाले दो हाई-राइज टावर होंगे, जिनकी कुल डेवलपमेंट क्षमता 20 लाख वर्ग फुट से अधिक है। पहले टावर में लगभग 500 आवासीय इकाइयां होंगी, जिनमें 2 और 3 बेडरूम वाले घर शामिल हैं, साथ ही फ्लेक्सिबल जोड़ी कॉन्फि गरेशन का विकल्प भी होगा। 2 बीएचके यूनिट्स का आकार 760 से 830 वर्ग फुट और 3 बीएचके यूनिट्स का आकार 1,100 से 1,400 वर्ग फुट के बीच होगा।सत्त्वा सुमेरा एक डिजाइन-आधारित दृष्टिकोण पर आधारित है, जो घने शहरी परिवेश में रोजमर्रा की जीवनशैली को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। इसकी योजना टावर कॉन्फि गरेशन और व्यवस्थित लेआउट के माध्यम से स्थान के संतुलित उपयोग पर जोर देती है। इसकी वास्तुकला में अर्बन फॉरेस्ट कॉन्सेप्ट शामिल है, जिसमें वर्टिकल ग्रीनरी और लेयर्ड लाइटिंग का उपयोग किया गया है। इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, सत्त्वा ग्रुप के वीपी स्ट्रेटजी शिवम अग्रवाल ने कहा, मुंबई एक ऐसे मोड़ पर है, जहां रीडेवलपमेंट अब केवल पुराने भवनों को बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात पर केंद्रित है कि लोग कैसे रहते हैं। आज खरीदारों की प्राथमिकताओं में स्पष्ट बदलाव देखा जा रहा है। यह सिर्फ लोकेशन तक सीमित नहीं है, बल्कि घर की योजना, उसमें आने वाली रोशनी और रोजमर्रा के अनुभव पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

कल्याण रेलवे स्टेशन परिसर में पुलिस का कॉम्बिग ऑपरेशन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण रेलवे स्टेशन परिसर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सोमवार देर रात महात्मा फुले चौक पुलिस स्टेशन की ओर से विशेष कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस उपायुक्त, परिमंडल-3 डीसीपी अतुल झेंडे और सहायक पुलिस आयुक्त, अशोक होनमाने की उपस्थिति में आयोजित कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान कल्याण रेलवे स्टेशन परिसर, एसटी बस स्थानक, झुंजारराव मार्केट, नीलम गली, होटल, लॉज तथा आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों की गहन जांच की गई। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वाले, मादक पदार्थों का सेवन करने वाले तथा संदिग्ध गतिविधियों

में शामिल व्यक्तियों और वारांगनाओं को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। इस अभियान में महात्मा फुले चौक पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, पुलिस निरीक्षक (गुन्हे), 6 सहायक पुलिस निरीक्षक/उपनिरीक्षक तथा महात्मा फुले चौक, खडकपाड़ा, बाजारपेठ और कोळशेवाडी पुलिस थानों के कुल 32 पुलिस कर्मियों ने भाग लिया। साथ ही सीआरएम मोबाइल टीम भी ऑपरेशन में शामिल रही। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर नियंत्रण के लिए इस प्रकार के कॉम्बिंग ऑपरेशन आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

शिवाजी की प्रतिमा के पीछे सत्ता का बाजार, काशीमीरा के आत्मसम्मान को गिरवी रखकर एक शॉपिंग मॉल बनाने की शासकों की योजना

मंत्री प्रताप सरनाईक का सनसनीखेज खुलासा

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर काशीमीरा में छत्रपति शिवाजी महाराजा की ऐतिहासिक प्रतिमा को स्थानांतरित करने के कारण राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इसी पृष्ठभूमि में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिला पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने सबूतों के साथ सत्ताधारी दल का 'व्यापारिक चेहरा' उजागर करते हुए कहा, मैं राज्य की मंत्री हूं और सबसे पहले छत्रपति शिवाजी की वंशज हूं। मैं उन व्यापारियों की योजनाओं को कभी सफल नहीं होने दूंगी जो महाराजा की प्रतिमा को हटाकर वहां एक शॉपिंग मॉल बनाना चाहते हैं। जनता काशीमीरा प्रतिमा को हटाने के पाप करने वालों को सबक सिखाए बिना नहीं रहेगी।₹ उन्होंने तीखे शब्दों में सत्ताधारी दल और विधायक नरेंद्र मेहता पर निशाना साधा। सरनाईक ने 'मॉल की साजिश' का पर्दाफाश किया

मंत्री प्रताप सरनाईक ने सबूतों के साथ स्पष्ट किया कि 2017 में, जब नरेंद्र मेहता नगरपालिका में सत्ता में थे, तब प्रतिमा के दोनों ओर नगरपालिका की रणनीतिक भूमि पर एक शॉपिंग मॉल बनाने की योजना बनाई गई थी।महाराज की प्रतिमा इस मॉल के निर्माण में बाधा बन रही थी, इसलिए इसे शहर से बाहर (जे.पी. इंफ्रा के सामने) स्थानांतरित करने का गुप्त प्रस्ताव रखा गया। मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि केवल अपने वित्तीय लाभ और निजी कंपनियों के कल्याण के लिए पूजित देवता की प्रतिमा को हटाने का यह प्रयास अत्यंत निंदनीय है। साथ ही, उन्होंने प्रशासन का सरकारी आदेश प्रस्तुत किया और स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का यह नियम है कि दो किलोमीटर के दायरे में कोई अन्य प्रतिमा स्थापित नहीं की जा सकती। इसके बावजूद, सत्ताधारी दल ने नई प्रतिमा का राजनीतिकरण करके पुरानी प्रतिमा को हटाने की साजिश रची। सरनाईक ने प्रतिमा हटाने के संबंध में जिला कलेक्टर को दिए गए हलफनामे और पत्राचार को भी मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया। विरोध के बावजूद, जे.पी. इंफ्रा में प्रतिमा का कार्य प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान पूरा हो गया, लेकिन सत्ता में वापसी होते ही, प्रतिमा को स्थानांतरित करने का मुद्दा मॉल के मुद्दे के साथ ही महासभा में उठाया गया। शक्ति के प्रयोग के माध्यम से व्यवसायीकरण या सार्वजनिक सेवा? मंत्री सरनाईक ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि महासभा के एजेंडे में एक तरफ शॉपिंग मॉल का मुद्दा और दूसरी तरफ प्रतिमा को स्थानांतरित करने का मुद्दा यह साबित करता है कि सत्ताधारी दल को जनहित या आस्था की कोई चिंता नहीं है, बल्कि वह केवल शहर का 'व्यापारीकरण करना चाहता है। उन्होंने शिव भक्तों की भावनाओं से खिलवाड़ करने की इस प्रवृत्ति की कड़ी निंदा की और चेतावनी दी कि 'हम सड़कों पर उतरेंगे और महाराज के सम्मान के लिए संघर्ष करेंगे।' उन्होंने यह भी कहा, आज आप महाराज की प्रतिमा हटा रहे हैं, कल आप इस धरती के पुत्रों और मराठा लोगों को शहर से बाहर निकाल देंगे! मीरा भायंदर के लोग इस विश्वासघात को कभी नहीं भूलेंगे। जब तक मैं इस शहर का जन प्रतिनिधि हूं, कोई भी काशीमीरा की प्रतिमा को छू नहीं पाएगा। अगर नगरपालिका के पास धनराशि नहीं है, तो मैं अपने खर्च पर या विधायक निधि से वहां भव्य सौंदर्यीकरण करवाऊंगा और सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित करूंगा।

भिवंडी में अनुदानित सलाउद्दीन अयूबी मेमोरियल उर्दू स्कूल में एडमिशन के नाम पर रिश्वत लेते रंगे हाथो मुख्याध्यापिका समेत तीन गिरफ्तार

भिवंडी । भिवंडी के एक अनुदानित उर्दू माध्यम स्कूल में छात्रा के प्रवेश के लिए अतिरिक्त फीस और डोनेशन मांगने के मामले में ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए स्कूल की मुख्याध्यापिका सहित तीन महिलाओं को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अतिया बैदुजमां खान (मुख्याध्यापिका), रिजवाना बानू अमजद खान (निजी कम्प्यूटर शिक्षिका) तथा अस्मा मोहशफी शेख (निजी लिपिक) का समावेश है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शहर के सलाउद्दीन अय्यूबी मेमोरियल हाईस्कूल नामक उर्दू माध्यम की शासकीय अनुदानित स्कूल में शिकायतकर्ता अबुलैस अंसारी अपनी बेटी का आठवीं कक्षा में प्रवेश कराने 7 मई को पहुंचे थे। इस दौरान स्कूल प्रशासन की ओर से प्रवेश के लिए 5 हजार रुपये डोनेशन और फीस के रूप में मांगे गए। चूंकि स्कूल सरकारी अनुदानित है, इसलिए अतिरिक्त रकम मांगना गलत होने के कारण शिकायतकर्ता ने ठाणे एसीबी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई।

एसीबी अधिकारियों ने शिकायत की जांच कर तकनीकी साक्ष्य जुटाए और 11 मई की दोपहर जाल बिछाकर कार्रवाई की। इस दौरान छात्रा का प्रवेश देते समय 4 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए तीनों महिलाओं को रंगेहाथ पकड़ लिया गया। इस मामले में शांतीनगर पुलिस स्टेशन में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7 और 7ए के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों को 12 मई को भिवंडी न्यायालय में पेश किया गया, जहां अदालत ने उन्हें दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पश्चिम एशिया संकट पर शरद पवार की पीएम मोदी को सलाह, तुरंत बुलाएं सर्वदलीय बैठक

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के सुप्रीमो शरद पवार ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पश्चिम एशिया संकट के भारत पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर जताई जा रही चिंताओं के मद्देनजर सर्वदलीय बैठक बुलाने और आर्थिक विशेषज्ञों से परामर्श करने का आग्रह किया। एक पोस्ट में पवार ने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में की गई घोषणाओं के दूरगामी आर्थिक परिणाम हो सकते हैं और इनसे नागरिकों, व्यवसायों और निवेशकों में बेचैनी पैदा हो गई है।

पवार ने कहा कि मध्य पूर्व में अस्थिरता और युद्ध जैसी स्थिति के मद्देनजर, दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ घोषणाएं कीं। इनका देश की अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है। इन घोषणाओं की अचानक प्रकृति ने आम नागरिकों, उद्योग-व्यापार क्षेत्र और निवेशकों के बीच बेचैनी का माहौल पैदा कर दिया है। यह स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है। एनसीपी प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी से सभी दलों के नेताओं से परामर्श करने और उन्हें विश्वास में लेने का आग्रह किया।

पवार ने कहा कि इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, प्रधानमंत्री को अपनी अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। राष्ट्रीय हित के मामलों पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में सभी दलों के नेताओं को शामिल करना देश के कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र को भी स्थिति का व्यापक आकलन करने के लिए तुरंत अर्थशास्त्रियों से परामर्श करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय स्थिति को देखते हुए, केंद्र सरकार को अधिक संवेदनशीलता और व्यापक परामर्श को प्राथमिकता देनी चाहिए।

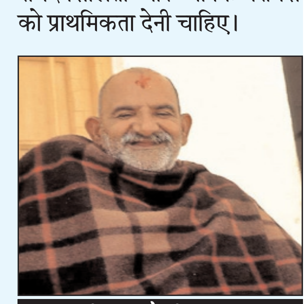

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जिला अस्पताल में भर्ती मरीज की मौत के बाद हंगामा, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

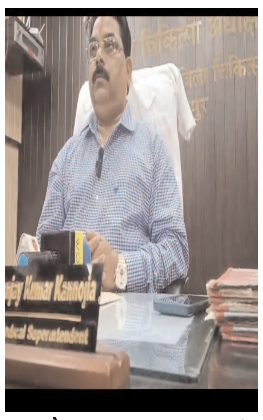

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह पुरुष जिला अस्पताल में भर्ती मियापुर निवासी 45 वर्षीय सतीश गुप्ता की इलाज के दौरान मौत हो जाने से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल स्टाफ और नर्सों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि मरीज की हालत लगातार बिगड़ रही थी और उन्होंने कई बार अस्पताल कर्मियों से मदद की गुहार लगाई, लेकिन समय पर कोई सुनवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि यदि समय रहते उचित उपचार मिल जाता तो मरीज की जान बचाई जा सकती थी। मृतक की मासूम बेटी ने रोते हुए कहा, नर्सों की लापरवाही से मेरे पापा की जान चली गई। बच्ची की इस बात ने मौके पर मौजूद लोगों को भी भावुक कर दिया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों और परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। वहीं, मामले पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (CMS) डॉ. संजय कुमार कनोजिया ने कहा कि मरीज की मौत की जानकारी मिली है। पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जनपद की महिलाओं ने लिखी आत्मनिर्भरता की नई कहानी

स्वयं सहायता समूह से महिलाएं बन रही आत्मनिर्भर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्रामीण भारत की महिलाओं में आत्मनिर्भरता की जो लहर उठ रही है, उसका एक प्रेरणादायक उदाहरण जौनपुर के ब्लॉक बक्शा के ग्राम सभा नरी का ह्रजन कल्याण आजीविका स्वयं सहायता समूहह बनकर उभरा है। साधना खरवार के नेतृत्व में 13 महिलाओं का यह छोटा-सा समूह आज अपनी मेहनत और सामूहिक प्रयास से बड़ी सफलता की कहानी लिख रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन उनके लिए वरदान साबित हुआ। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से पहले उनका जीवन बहुत कठिन था। वह और उनके पति दोनों बी.ए. एम. ए. बीएड हैं। पति गृहस्थी का कार्य करते थे। उनका बच्चा दिव्यांग है। उसकी देखभाल, गरीबी और संसाधनों के अभाव में जीवन संघर्षों से भरा था। पढ़े-लिखे होने के बावजूद समस्याएं खत्म नहीं होती थीं। 2018 में उन्होंने फैसला किया कि हालात बदलने हैं। उन्होंने स्वयं राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर, बिहार जाकर मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण लिया। वापस आकर कृषि विज्ञान केंद्र, बक्सा में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया और कृषि विज्ञान केंद्र बक्सा, उद्यान विभाग और कृषि विभाग, जौनपुर का समय-समय पर भरपूर तकनीकी सहयोग मिलता रहा है। जिला प्रशासन जौनपुर और उत्तर प्रदेश शासन का मार्गदर्शन भी हमेशा साथ रहा है।

वह ब्लॉक बक्सा के 25 ग्राम सभा का नेतृत्व कर रही है। समूह में कोई दीदी बकरी पालन करती है, कोई मशरूम उत्पादन, कोई मुर्गी-मछली पालन तो कोई सिलाई-कढ़ाई बुनाई का कार्य। हर दीदी अपने पैरों पर खड़ी हो रही है। छोटे शेड से बड़े सपनों की उड़ान- शुरूआत में सीमित संसाधनों के बावजूद समूह ने हिम्मत नहीं हारी। लगभग 60 हजार रुपये की लागत से 1451 फीट का एक मशरूम शेड तैयार किया गया। यही छोटा सा ढांचा आज उनके बड़े सपनों की मजबूत नींव बन गया है। मशरूम उत्पादन में विविधता और नवाचार- समूह ने केवल एक प्रकार के मशरूम तक खुद को सीमित नहीं रखा। बटन, ऑयस्टर्यू और मिल्की मशरूम जैसी विभिन्न प्रजातियों का उत्पादन कर उन्होंने बाजार की मांग को समझा। इसके साथ ही उन्होंने वैल्यू एडिशन पर भी जोर दिया। मशरूम अचार, कोहरौरी, पाउडर, सूखा और ताजा मशरूम जैसे उत्पाद तैयार कर स्थानीय बाजार में अपनी अलग पहचान बनाई। हर महीने हजारों की आमदनी- मौसम के अनुसार उत्पादन करते हुए समूह हर महीने औसतन 1.5 क्विंटल तक मशरूम तैयार करता है। 150 से 250 रुपये प्रति किलो की दर से बिक्री कर उन्हें हर महीने 20 से 25 हजार रुपये तक की आय हो रही है। सालाना यह आमदनी करीब 2.5 लाख रुपये तक पहुंच चुकी है। चुनौतियों से सीखकर बनी ताकत- शुरूआती दौर में तापमान नियंत्रण, मार्केटिंग और तकनीकी जानकारी की कमी जैसी कई समस्याएं सामने आईं। लेकिन समूह ने प्रशिक्षण लेकर और आपसी सहयोग से इन सभी चुनौतियों को अवसर में बदल दिया। सिर्फ खुद नहीं, दूसरों को भी बना रहीं आत्मनिर्भर- समूह की अध्यक्ष साधना खरवार के नेतृत्व में यह पहल अब एक मिशन बन चुकी है। समूह न केवल खुद उत्पादन कर रहा है, बल्कि अन्य ब्लॉकों की महिलाओं को भी निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहा है। अब तक लगभग 250 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और 200 से अधिक युवा किसानों को मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रेरणा बनता जा रहा यह प्रयास- इस समूह की सफलता से गांव की अन्य महिलाएं भी प्रेरित हो रही हैं और स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। यह पहल दिखाती है कि यदि सही दिशा, सामूहिक प्रयास और मजबूत इच्छाशक्ति हो, तो सीमित संसाधनों में भी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। जन कल्याण आजीविका स्वयं सहायता समूह आज आत्मनिर्भर भारत की सोच को जमीन पर उतारते हुए यह संदेश दे रहा है कि छोटे कदम भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। यह कहानी सिर्फ 13 महिलाओं की नहीं, बल्कि पूरे ग्रामीण समाज के बदलते

स्टेडियम की व्यवस्थाओं का डीएम ने लिया जायजा, एक माह में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने मंगलवार को सिद्धीकपुर स्थित इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, आधारभूत संरचनाओं एवं चल रहे निर्माण कार्यों का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के प्रतिनिधियों से कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष कार्य को एक माह के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टेडियम में सीसीटीवी कैमरे लगाने, खिलाड़ियों के लिए चेंजिंग रूम बनाने तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को प्रकाश व्यवस्था बेहतर करने हेतु अलग फीडर बनाने के निर्देश दिए। साथ ही खिलाड़ियों के लिए परिचय पत्र (आईडी कार्ड) की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा। डीएम ने स्टेडियम में मौजूद बच्चों से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने। इसके अलावा स्विमिंग पूल का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई, जल गुणवत्ता, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्टेडियम को सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाना आवश्यक है। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, एपीएम राजेश यादव, खेल अधिकारी चंदन सिंह, प्रोजेक्ट जेई ऋषभ पांडेय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं को मिले पुरस्कार

शाहगंज सोशल सोसायटी और डॉ. अंबेडकर समिति के संयुक्त आयोजन में शिक्षा के महत्व पर दिया गया बल

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर की सामाजिक संस्था शाहगंज सोशल सोसायटी एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर समिति, सुरिस के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को एक भव्य पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी जुल्फेकार अहमद गामा के प्रतिनिधि डॉ. शोहराब सिद्दीकी रहे। उनके कर-कमलों द्वारा विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर अनिल गौतम एवं पंकज सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में आए अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत डॉ. भीमराव अंबेडकर समिति के अध्यक्ष सागर ने किया। संचालन मुकेश कुमार ने किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉक्टर शोहराब सिद्दीकी ने कहा की ह्रप्रतिभाओं को सम्मान देने से बच्चों का मनोबल बढ़ता है और वे आगे बेहतर करने के लिए प्रेरित होते हैं। समाज को शिक्षा और जागरूकता के ऐसे आयोजनों को लगातार बढ़ावा देना चाहिए। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता शाहगंज सोशल सोसायटी के निदेशक राजकुमार सोनी ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास की सबसे बड़ी ताकत है तथा ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा और आत्मविश्वास बढ़ाने का कार्य करते हैं। समारोह में पवन कुमार, सोनू सेठ, सतीश यादव, मो. अख्तर, सुशील, राणा, भानु प्रताप एवं रजनीश कुमार काले सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी सफल छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

शाहगंज में रोजगार मेले का आयोजन, 26 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

बसंती देवी आईटीआई में कई जनपदों के युवाओं ने लिया हिस्सा, चयनित अभ्यर्थियों को मिलेगा 25,300 प्रतिमाह वेतन

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज नगर के पक्का पोखरा कौड़िया स्थित बसंती देवी आईटीआई परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें जौनपुर, अयोध्या, आजमगढ़, सुल्तानपुर और अंबेडकरनगर सहित विभिन्न जनपदों से आए युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेले का उद्देश्य युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना रहा। रोजगार मेले में लगभग 50 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर 26 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को गुजरात स्थित सुजुकी मोटर कंपनी में रोजगार का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर कंपनी के एचआर प्रतिनिधि पवन श्रीवास्तव ने अभ्यर्थियों को कंपनी की कार्यप्रणाली, कार्यस्थल पर उपलब्ध सुविधाओं तथा भविष्य में उन्नति की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों की आयु 18 से 26 वर्ष के बीच है तथा उन्हें कंपनी की ओर से 25,300 रुपये प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा। संस्थान के निदेशक दिवाकर मिश्र ने दूर-दराज से आए अभ्यर्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन विकास जायसवाल ने किया।

डॉ. रफीक फारूकी के प्रयासों का परिणाम सामुदायिक स्वास्थ केंद्र पहुंचा टॉपटेन में

डायरिया, डेंगू एवं लू के मरीजों के लिए बना शीत रूम स्थापित

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।कहतें है अगर इंसान के अंदर लगन, निष्ठा, और कर्तव्यपरायणता है तो कुछ भी मुमकिन नही है।कुछ ऐसा चार जनपदों के सीमा पर स्थित शाहगंज सामुदायिक स्वास्थ केंद्र है।जहां पर एक समय था की यह अस्पताल बदहाली की मार झेल रहा था।लेकिन एक समय ऐसा आया जब सामुदायिक स्वास्थ केंद्र के अधीक्षक के रूप में डॉक्टर रफीक फारूकी ने कार्यभार संभाला और कुछ ही दिनों में अस्पताल की दशा बदलने लगी। उनके कार्यकाल में अभी तक सम्पूर्ण अस्पताल का नवीनीकरण, अधीक्षक आफिस निर्माण, मरीजो को जागरूक करने हेतु वाल पेंटिंग, मरीजो के लिए अस्पताल परिसर में दो पार्कों का निर्माण जिसमे एक हर्बल गार्डन, एक मिनी पार्क,पृथक पंजीकरण का निर्माण, अनुपयोगी बिल्डिंग का मरम्मत कर आकस्मिक सेवा हेतु मरीजो के लिए दो पहिया एवं चार पहिया वाहन पार्किंग का निर्माण, वार्डो में भर्ती सामान्य एवं जेएसवाई वार्डो में सर्जिकल वार्ड, लेबर रूम, अस्पताल में तैनात सभी डॉक्टरों के केबिन में वातुनुकूलित व्यवस्था, इमरजेंसी वार्ड में एसी, इस समय लू, डायरिया, और डेंगू के मरीजो के लिए शीत रूम की व्यवस्था, प्रत्येक माह लगभग बीस सिजेरियन, एवं अन्य बीस बड़े ऑपरेशन संचालित हो रहे हैं।

इस सम्बंध में पूछे जाने पर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी ने बताया की अस्पताल के सभी डॉक्टरों सहित समस्त स्टाफ के मेहनत का परिणाम रहा है की हमारा अस्पताल सरकारी की महत्त्वकांक्षी योजना कायाकल्प योजना के अंतर्गत पूरे प्रदेश में टॉपटेन में स्थान बनाते हुए छठे स्थान और जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव हासिल हुआ है।

वाराणसी में बोले सीएम योगी सनातन संस्कृति, स्वाभिमान और सनातन चेतना का सशक्त संगम है

वाराणसी (उत्तरशक्ति) ।जनपद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के साथ सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत 'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' में शामिल हुए। यह आयोजन श्री काशी विश्वनाथ धाम परिसर स्थित त्र्यंबकेश्वर बहुउद्देशीय हॉल में किया गया। यहां उपस्थित अतिथियों ने सोमनाथ मंदिर गुजरात में हो रहे मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विशेष महापूजा के साथ ही कुंभाभिषेक, ध्वजारोहण, पुष्पवृष्टि आदि का सजीव प्रसारण भी देखा। अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हम सभी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना साकार होते देख रहे हैं। इसका साकार रूप सौराष्ट्र में भगवान सोमनाथ महादेव के भव्य मंदिर की पुनर्प्रतिष्ठा, सौंदर्याकरण व अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से दिख रहा है। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल में महालोक की स्थापना, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राममंदिर निर्माण समेत सनातन परंपरा से जुड़े अनेक पवित्र तीर्थस्थल अपने वैभव के साथ विकास की नई यात्रा तय कर रहे हैं। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसकी प्रेरक शक्ति बताते हुए यूपीवासियों की तरफ से उनका आभार प्रकट किया। सोमनाथ संकल्प महोत्सव में नामचीन कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को शिवमय कर दिया। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं ने 'आध्यात्मिक गंगा' में आनंद की डुबकी लगाई। कथक नृत्यांगना अंकिता भट्टाचार्या ने अपनी टीम के साथ शिव तांडव तथा डॉ. दिव्या श्रीवास्तव व साथी कलाकारों ने भगवान सोमनाथ की स्तुति की। बनारस घराने के अंशुमान महाराज व साथी कलाकारों ने सरोद वादन कर उपस्थित श्रोताओं का मन मोह लिया।

दवा प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय मांग दिवस मनाया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी एमएसआरए और एफएमआरएआई के आवाहन पर पूरे भारत के दवा प्रतिनिधियों के साथ जौनपुर के दवा प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय मांग दिवस मनाया एवं एक ज्ञापन प्रधानमंत्री को द्वारा जिलाधिकारी जौनपुर भेजा। जिसमें माननीय प्रधानमंत्री जी से को मजदूर की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए निवेदन किया , क्योंकि सरकारी कार्यवाही के अभाव में कर्मचारियों को उनके नियुक्ताओं द्वारा अपनाई जाने वाली विभिन्न अनुचित श्रम कानून का शिकार होना पड़ता है ।नियोक्ता श्रम कानून का उल्लंघन कर रहे हैं । नियोक्ता, यूनियन नेताओं और श्रमिकों के विरोध करने के लोग तांत्रिक और कानूनी अधिकार को दबाने के लिए उनके खिलाफ झूठी पुलिस शिकायतें दर्ज कर रहे हैं ।

हम उत्तर प्रदेश और हरियाणा के सरकारों द्वारा नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम तथा पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मजदूरों के संघर्षों पर किए जा रहे बर्बर दमन की कड़ी निंदा करते हैं। हमारा संगठन, सभी गिरफ्तार मजदूरों एवं कार्यकताओं की तत्काल और बिना शर्त रिहाई, सभी झूठे मामलों की वापसी, दमन की समाप्ति और सभी अवैध हिरासतों को खत्म करने की मांग करता है । साथ ही, ट्रेड यूनियनों के साथ तत्काल त्रिपक्षीय वार्ता, भारतीय श्रम सम्मेलन का शीघ्र आयोजन, पूर्ण वैधानिक लाभों के साथ 26000 रुपए न्यूनतम मजदूरी का क्रियान्वयन, सख्त 8 घंटे का कार्य दिवस, डबल ओवर टाइम भुगतान, कार्यस्थल सुरक्षा सुनिश्चित करना, ठेका मजदूरों के साथ समान व्यवहार, सस्ती एलपीजी और ठेका श्रम व्यवस्था के उन्मूलन हेतु नियमितीकरण की मांग करता है। चार श्रम संहिताओं को निरस्त करें और बिक्री संवर्धन कर्मचारी (सेवा की शर्तें) अधिनियम,1976 सहित मौजूद श्रम कानून को जारी रखें । सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों की निश्चित अवधि रोजगार (Fixed Term Employment) पर नियुक्त की अनुमति न दें। ईंधन और अन्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों के दैनिक भत्ता/यात्रा भत्ते में वृद्धि करने के लिए नियोक्ताओं को आदेश दें । ट्रेड यूनियनों और श्रमिकों के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों पर हमला बंद करें। आज के राष्ट्रीय मांग दिवस में साथी अनिल मिश्रा, अजय चौरसिया, अच्युत दुबे, अजय सिंह, सुनील प्रजापति, अभिषेक सिंह, शैलेश मौर्य की भूमिका अहम रही।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने वाला युवक गिरफ्तार, किशोरी बरामद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के कैंट थाना पुलिस ने 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार करते हुए पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 6 मई 2026 को वादी की तहरीर पर कैंट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री बिना बताए घर से चली गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम सर्विलांस व मुखबिर की मदद से किशोरी और आरोपी की तलाश में जुटी थी।इसी क्रम में कैंट पुलिस ने आरोपी आशीष कुमार पटेल (21) निवासी मझगंवा कला, थाना कपसेठी को गिरफ्तार कर लिया। मौके से नाबालिग किशोरी को भी बरामद कर लिया गया।पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत मिश्र, उपनिरीक्षक घनश्याम निषाद, उपनिरीक्षक अभिषेक सिंह, आरक्षी संदीप कुमार एवं महिला आरक्षी स्नेहा पांडेय शामिल रही।

कौशल विकास योजना के तहत छात्र-छात्राओं को वितरित की गई ड्रेस व किताबें

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन योजना के अंतर्गत एक्सपर्ट इंस्टीट्यूट द्वारा संचालित बृहस्पतिवार को विभूति चौहान प्राइवेट आईटीआई बंधवा नरहन में अध्ययनरत लगभग 100 छात्र-छात्राओं को ड्रेस एवं किताबों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं में काफी उत्साह देखने को मिला। संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों एवं संस्थान प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों को ड्रेस और पाठ्य सामग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सरकार युवाओं को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। कौशल विकास योजना का उद्देश्य युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान कर उन्हें बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर करना है। संस्थान के प्रबंधक एवं शिक्षकों ने कहा कि छात्र-छात्राएं मेहनत और लगन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करें ताकि भविष्य में उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। उन्होंने बताया कि सरकार की योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं तक पहुंचाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने सरकार एवं संस्थान प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। वितरण कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस मौके पर संस्थान के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं अभिभावक भी उपस्थित रहे।

मुस्लिम देशों में लोकप्रिय नेता के रूप में उभर रहे अखिलेश यादव : अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि अखिलेश यादव आज मुस्लिम देशों में भारत के सबसे लोकप्रिय और आधुनिक सोच वाले नेताओं में गिने जाते हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की धर्मनिरपेक्ष सोच, सामाजिक न्याय की राजनीति और विकासवादी दृष्टिकोण ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाई है। अरशद खान ने कहा कि यदि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनती है, तो प्रदेश में विकास, उद्योग, व्यापार और रोजगार का नया दौर शुरू होगा। उन्होंने दावा किया कि खाड़ी देशों समेत कई मुस्लिम राष्ट्रों से बड़े पैमाने पर निवेश आने की संभावना है, जिससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी, टेक्सटाइल, कृषि आधारित उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में नए अवसर पैदा होंगे। इससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार और व्यापार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। अरशद खान ने कहा कि समाजवादी विचारधारा हमेशा भाईचारे, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की पक्षधर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि समाजवादी सरकार प्रदेश को विकास, निवेश और सामाजिक सौहार्द का मॉडल बनाकर उत्तर प्रदेश को आर्थिक रूप से मजबूत राज्य के रूप में स्थापित करेगी।

पेसारा पी.जी. कॉलेज में यूपीए सडीएम योजना के तहत 200 छात्र-छात्राओं को वितरित की गई ड्रेस व किताबें

-जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र स्थित पेसारा पी.जी. कॉलेज में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) के अंतर्गत एक्सपर्ट इंस्टीट्यूट द्वारा संचालित छात्र-छात्राओं को ड्रेस एवं अध्ययन सामग्री वितरित की गई। इस दौरान लगभग 200 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क ड्रेस, किताबें एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को कौशल शिक्षा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं रोजगार के योग्य बनाना रहा। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कौशल विकास मिशन के माध्यम से छात्र-छात्राओं को तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सरकार की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी आधुनिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें। कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं में काफी उत्साह देखने को मिला। ड्रेस एवं किताबें प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। छात्र-छात्राओं ने प्रदेश सरकार एवं कॉलेज प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही हैं। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज प्रबंधन ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ कौशल प्रशिक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ किया गया।

उर्वरक गोदाम और गेहूं क्रय केंद्र का सीडीओ ने किया औचक निरीक्षण, फटी बोरियों पर जताई नाराजगी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने मंगलवार को शाहगंज स्थित पीसीएफ संस्था के उर्वरक बफर गोदाम का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोदाम में रखी यूरिया और डीएपी उर्वरक बोरियों का भौतिक सत्यापन किया गया। निरीक्षण में कुछ उर्वरक बोरियां फटी हुई मिलीं, जिस पर सीडीओ ने नाराजगी जताते हुए जिला प्रबंधक पीसीएफ को सभी बोरियों का वैज्ञानिक एवं मानक के अनुरूप भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने हैंडलिंग और परिवहन से जुड़े ठेकेदारों को भी समय से उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने मौके पर कुछ बोरियों का वजन भी कराया। जांच में सभी बोरियों का वजन निर्धारित मानकों के अनुरूप पाया गया तथा कहीं भी घटतौली की शिकायत नहीं मिली। इसके साथ ही गोदाम परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण के बाद सीडीओ ने गोदाम परिसर में संचालित गेहूं क्रय केंद्र ह्रपीसीएफ केएसके इमरानगंजह्र का भी निरीक्षण किया। यहां सभी अभिलेख व्यवस्थित पाए गए। केंद्र प्रभारी को अधिक से अधिक किसानों से संपर्क कर शासन की मंशा के अनुरूप लक्ष्य पूरा करने एवं नियमानुसार गेहूं खरीद सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला कृषि अधिकारी, एआर कोऑपरेटिव, क्षेत्र अधिकारी इफको समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जौनपुर में स्कूली वाहनों पर परिवहन विभाग की कार्रवाई, 4 बसें सीज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने जनपद में विशेष अभियान चलाते हुए बिना परमिट संचालित वाहनों पर सख्त कार्रवाई की। अभियान के दौरान 4 स्कूली बसों को सीज किया गया, जबकि 9 वाहनों का चालान किया गया। Satyendra Kumar Singh के निर्देश पर यात्री/मालकर अधिकारी प्रमोद कुमार द्वारा स्कूल बसों की जांच की गई। जांच के दौरान कई वाहनों के परमिट, फिटनेस और अन्य आवश्यक दस्तावेज अधूरे पाए गए। परिवहन विभाग ने सभी विद्यालय प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों और वाहन स्वामियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि जिन वाहनों का परमिट समाप्त हो चुका है अथवा बिना परमिट के वाहन संचालित हो रहे हैं, वे तत्काल नवीनीकरण या नया परमिट बनवाएं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना परमिट के संचालित वाहनों के खिलाफ आगे भी चालान और सीज की कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खिड़की तोड़ घर में घुसे चोर, 20 लाख के जेवर व नकदी पार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के पोटरिया गांव में सोमवार रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए करीब 20 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और 60 हजार रुपये नकद चोरी कर लिया। घटना से गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार पोटरिया गांव निवासी राममिलन विश्वकर्मा के परिवार के अधिकांश सदस्य रात में छत पर सो रहे थे, जबकि घर के बुजुर्ग सदस्य बाहर सोए हुए थे। इसी दौरान चोर पीछे की खिड़की तोड़कर घर में घुस गए और गोदरेज की अलमारी उठाकर गांव के बाहर खेत में ले जाकर तोड़ दी। उसमें रखे जेवर और नकदी निकालकर फरार हो गए। सुबह खेत में टूटी अलमारी मिलने पर घटना की जानकारी हुई। सूचना पर गांव में भारी भीड़ जुट गई। पीड़ित परिवार के अनुसार चोरी गए सामान में सोने की चेन, अंगूठी, झुमके, बाली, झाला, बाला, पायल समेत अन्य कीमती जेवर और नकदी शामिल हैं। सूचना मिलते ही सरायख्वाजा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस संदिग्धों से पूछताछ कर चोरों की तलाश में जुटी है। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि पुलिस की निष्क्रियता से चोरों के हौसले बुलंद हैं और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

हर रूप की कीमत चुकानी पड़ती है: `एए5 ने सतरंगी - बदले का खेल का ट्रेलर लॉन्च किया

ठाणे। ZEE5 ने अपनी नई हिंदी मूल ड्रामा श्रृंखला सतरंगी - बदले का खेल का ट्रेलर जारी कर दिया है, यह कहानी ग्रामीण उत्तर प्रदेश के सामंती माहौल पर आधारित है। इस श्रृंखला में अंशुमान पुष्कर, कुमुद मिश्रा और महवश मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। श्रृंखला का निर्देशन जय बसंतु सिंह ने किया है और इसका निर्माण आरएनडी फिल्म्स एलएलपी ने किया है। यह श्रृंखला 22 मई 2026 को प्रदर्शित होगी। 'सतरंगी - बदले का खेल' की कहानी बबलू महतो (अंशुमान पुष्कर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक लौंडा नाच कलाकार के बेटे के रूप में अपमान और चुप्पी के माहौल में बड़ा होता है। जाति और ताकत से बंटी सामंती व्यवस्था में पले-बढ़े बबलू को जल्दी समझ आ जाता है कि सिर्फ ताकत से नहीं, बल्कि सत्ता के खेल को समझकर ही जिया जा सकता है। बबलू और लल्ली के रूप में दोहरी ज़िंदगी जीते हुए, वह दो बिल्कुल अलग दुनियाओं के बीच अपना रास्ता बनाना शुरू करता है, एक सत्ता की दुनिया, और दूसरी मंच की दुनिया। इसी दौरान वह सिंह और पांडे जैसे दो प्रभावशाली परिवारों के बीच बेहद खतरनाक खेल की नींव रखता है। जो कहानी शुरुआत में बदले की भावना से शुरू होती है, वह धीरे-धीरे सम्मान, अधिकार, बराबरी और सत्ता पर कब्जे की बड़ी लड़ाई में बदल जाती है। सतरंगी - बदले का खेल को खास बनाने वाली बात यह है कि यह उत्तर प्रदेश की सामंती राजनीति की पृष्ठभूमि पर आधारित एक बहुआयामी और दमदार सत्ता की कहानी पेश करती है। यह सिर्फ राजनीति और बदले की कहानी नहीं, बल्कि समाज के कई गहरे पहलुओं को उजागर करती है। सीरीज में लौंडा नाच को केवल एक सांस्कृतिक कला के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक संघर्ष, पहचान और जीविका के माध्यम के तौर पर दिखाया गया है। कहानी का केंद्र बबलू और लल्ली नाम के ऐसे किरदार पर है, जो दो अलग-अलग पहचान के साथ दोहरी ज़िंदगी जीता है। इसी के जरिए सम्मान, जाति, नियंत्रण और भावनात्मक संघर्ष जैसे संवेदनशील मुद्दों को गहराई और प्रभावशाली तरीके से सामने लाया गया है।

इस कहानी के केंद्र में लौंडा नाच की दुनिया है। यह उत्तर भारत की एक पारंपरिक लोक कला है, जिसमें पुरुष महिलाओं के वेश में सामुदायिक समारोहों और उत्सवों में प्रस्तुति देते हैं। ये कलाकार किसी अलग लैंगिक पहचान को नहीं दर्शाते, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही एक सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाते हैं। बबलू महतो के किरदार निभाने वाले अंशुमान पुष्कर ने कहा, बबलू ऐसा इंसान है जिसे पूरी जिंदगी ने देखा गया, न सुना गया और न ही सही तरीके से समझा गया, लेकिन उसकी इस चुप्पी के पीछे दुनिया को समझने की बहुत गहरी समझ छिपी है। उसकी बबलू और लल्ली की दोहरी पहचान उसकी सबसे बड़ी ताकत बन जाती है, क्योंकि वह शक्ति और प्रदर्शन, दोनों तरह की दुनिया में आसानी से रास्ता बनाना सीख लेता है।

एचडीएफसी बैंक व्हाट्सएप चैट बैंकिंग ने 1 करोड़ यूनिक मंथली एक्टिव यूजर्स का मील का पत्थर पार किया

पटना (उत्तरशक्ति)। एचडीएफसी बैंक के व्हाट्सएप चैट बैंकिंग प्लेटफॉर्म ने इस्तेमाल के मामले में एक अहम मील के पत्थर पार कर लिए हैं। इस प्लेटफॉर्म पर 31 मार्च, 2026 तक 1 करोड़ से ज्यादा 30-दिन के एक्टिव यूजर्स और 2 करोड़ से ज्यादा 90-दिन के एक्टिव यूजर्स थे। यह प्लेटफॉर्म अब 4 करोड़ से ज्यादा रजिस्टर्ड ग्राहकों को सेवाएं दे रहा है, जो बैंक के कुल ग्राहक आधार का लगभग 40 प्रतिशत है। यूजर्स की संख्या में बढ़ोतरी के साथ-साथ, लेन-देन में भी 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो ग्राहकों की गहरी भागीदारी को दिखाता है। आज, एचडीएफसी बैंक व्हाट्सएप पर सेवाओं का सबसे व्यापक सेट पेश करता है। यह प्लेटफॉर्म 19 प्रोडक्ट लाइनों में 225 से ज्यादा सेवाओं के साथ रोजमर्रा की बैंकिंग जरूरतों, लेन-देन से जुड़ी प्रक्रियाओं और पहले से मिलने वाले सर्विस अलर्ट को कवर करता है। यह तेजी से इस इंडस्ट्री के सबसे आधुनिक बातचीत-आधारित बैंकिंग इकोसिस्टम में से एक बन गया है। एचडीएफसी बैंक के पेमेंट्स और डिजिटल बैंकिंग चैनल्स के हेड, रजनीश परमानंद प्रभु ने इस मील के पत्थर के बारे में बात करते हुए कहा 1 करोड़ यूनिक मंथली एक्टिव यूजर्स का मील का पत्थर पार करना हमारी डिजिटल यात्रा में एक अहम पल है। मेटा इंडिया में बिजनेस मैसेजिंग के डायरेक्टर, रवि गर्ग ने कहा व्हाट्सएप इस बात को बदल रहा है कि बिजनेस और ग्राहक एक-दूसरे से कैसे बातचीत करते हैं और अपने काम कैसे पूरे करते हैं।

बीएचयू अस्पताल में डॉक्टरों से मारपीट, गैस्ट्रोलॉजी ओपीडी ठप, 200 मरीज दर -बदर भटकते रहे , सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सर सुंदरलाल अस्पताल में डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर एक गंभीर घटना सामने आई है, जिसने अस्पताल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अस्पताल के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक स्थित गैस्ट्रोलॉजी विभाग की ओपीडी में रेजिडेंट डॉक्टरों के साथ कथित तौर पर कुछ छात्रों द्वारा मारपीट किए जाने के बाद हड़कंप मच गया। घटना से नाराज डॉक्टरों ने तत्काल ओपीडी का कार्य बंद कर दिया, जिससे इलाज के लिए पहुंचे लगभग 200 मरीजों को बिना परामर्श वापस लौटना पड़ा।

सोमवार दोपहर करीब एक बजे गैस्ट्रोलॉजी विभाग की ओपीडी में विभागाध्यक्ष डॉ. देवेश प्रकाश यादव सहित कई रेजिडेंट डॉक्टर मरीजों की जांच कर रहे थे। बाहर बड़ी संख्या में मरीज और उनके तीमारदार अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान चेहरे ढंके हुए 5 से 6 युवक ओपीडी में पहुंचे और एक मरीज को प्राथमिकता के आधार पर पहले दिखाने की मांग करने लगे।

डॉक्टरों ने निर्धारित क्रम संख्या के अनुसार मरीज देखने की बात कही तो युवकों ने बहस शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोप है कि युवकों ने डॉक्टरों के साथ अभद्रता करते हुए हाथापाई शुरू कर दी। अचानक हुए इस हंगामे से ओपीडी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मरीज और उनके परिजन भयभीत होकर बाहर भागने लगे, जबकि मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मी स्थिनि संभालने के बजाय मूकदर्शक बने रहे।

डॉ. देवेश प्रकाश यादव के अनुसार, पहली घटना के करीब दो घंटे बाद वही युवक दोबारा ओपीडी में लौटे और फिर से मारपीट की कोशिश की। उन्होंने बताया कि घटना के तुरंत बाद प्रॉक्टोरियल बोर्ड के कंट्रोल रूम को सूचना दी गई थी, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। शाम करीब छह बजे प्रॉक्टोरियल बोर्ड की ओर से फोन कर घटना की जानकारी ली गई।

इस घटना से नाराज डॉक्टरों ने ओपीडी छोड़ दी, जिसके कारण दूर-दराज जिलों से इलाज कराने आए करीब 200 मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई मरीज घंटों इंतजार के बाद बिना इलाज लौटने को मजबूर हुए। घटना के बाद अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल परिसर में अक्सर दबाव बनाकर मरीज दिखाने और अभद्र व्यवहार की घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, जिससे डॉक्टर खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।आईएमएस-बीएचयू के प्रभारी निदेशक प्रो. संजय गुप्ता ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य की ओर पीयू का बड़ा कदम, आनंदम सेंटर से शुरू हुआ निःशुल्क परामर्श शिविर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, तनाव और अकेलेपन जैसी चुनौतियों के बीच वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक सराहनीय पहल की है। मा. कुलपति प्रो. वंदना सिंह के संरक्षत्व में विश्वविद्यालय एवं नई सुबह संस्था के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर स्थित नवस्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस आनंदम के बैनर तले विद्यार्थियों के लिए प्रथम सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य परामर्श शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में वाराणसी से आए वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ. अजय तिवारी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास, भावनात्मक संतुलन और सकारात्मक सोच विकसित करने के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है और समय रहते संवाद व परामर्श विद्यार्थियों को बड़ी समस्याओं से बचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विगत माह विश्वविद्यालय और नई सुबह संस्था के बीच विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे। इस समझौते के तहत विद्यार्थियों को 247 टेली-मानस काउंसलिंग सेवा उपलब्ध कराई जाएगी, वहीं प्रत्येक माह वरिष्ठ मनोवैज्ञानिकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में निःशुल्क भौतिक परामर्श शिविर आयोजित किए जाएंगे। आज आयोजित प्रथम शिविर में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों से खुलकर चर्चा की। विश्वविद्यालय प्रशासन की इस पहल को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिक्षक शैलेन्द्र मिश्रा के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

मुम्बई, माटुंगा (उत्तरशक्ति)। माटुंगा निवासी शिक्षक शैलेन्द्र मिश्रा एक सरल सौम्या , विवेकवान , मृदु भाषी , विनम्र , ऊर्जावान , शिक्षक शैलेन्द्र मिश्रा का जन्मदिन दिनांक 11 मई 2026 को उनके निवास स्थान माटुंगा में बड़े धूमधाम से मनाया गया । शिक्षक शैलेंद्र मिश्रा माटुंगा स्थित डॉन वास्को हाईस्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। बता दे शैलेन्द्र मिश्रा नीरज दैनिक उत्तरशक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के सुपुत्र हैं । इस मौके पर परिवार और मित्र गण के सभी सदस्य मौजूद थे । डॉन वास्को हाईस्कूल के शिक्षक राजेश त्रिपाठी, माता लीलावती मिश्रा , भाई अरविंद मिश्रा , भाई धिरेन्द मिश्रा, प्रशांत मिश्रा , अनूज ,छोटू मिश्रा, चाचा फूल चंद मिश्रा ,विजय चंद मिश्रा , उमा शंकर मिश्र , रमापति मिश्रा , सभापति मिश्रा , पिंटू , आशू, पंडित मिश्रा, सुनील तिवारी (वकील), रेखा तिवारी , अखिलेश तिवारी, प्रिया तिवारी, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के सहयोगी मामा जगदीश तिवारी, जयप्रकाश त्रिपाठी, भाभी रंजू मिश्रा , पत्नी रोशनी मिश्रा , शैली मिश्रा, चाची सीमा , उर्मिला (बबिता मिश्रा) , भतीजी दिशा मिश्रा , रितिका , निष्ठा, प्रज्ञान,आर्शी दुबे , बेटी कियोशा , बहन रश्मि (मोनू)दुबे, मोहिनी मिश्रा ने भी जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं । पिता प्रेम चंद मिश्रा ने जन्मदिन पर आशिर्वाद प्रदान करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की । दैनिक उत्तरशक्ति संपादक ओमप्रकाश प्रजापति , दैनिक उत्तरशक्ति पत्रकार राजकुमार अग्रहरि , पत्रकार अवधेश मिश्रा रिक्की, दैनिक उत्तरशक्ति पत्रकार आनंद मिश्रा , मित्र शिक्षक निखिल आयरे , रोहन सेठ , रोहन वैंगनकर , निलेष डांगे, शालिनी अइयर , कपील भाई दर्जी , दिपा अणवकर ने शैलेन्द्र मिश्रा के जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं । दैनिक उत्तर शक्ति संपादक ओम प्रकाश प्रजापति व पिता दैनिक उत्तरशक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्र ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मृग के कस्तुरी की सुगंध के भांति , शैलेन्द्र मिश्रा आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले । बास्केटबॉल के कोच गुरू दत्त नायक , के के मिश्रा (बच्चन मिश्रा) , समाज सेवक भरत शुक्ल ने भी जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं ।

इंदौर में ऑटो में बैठाकर व्यापारी को लूटा: सुनसान जगह ले जाकर 1.70 लाख रुपए लूटकर बदमाश फरार

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। देशीपुरा थाना क्षेत्र में बड़नगर से खरीदारी करने आए एक स्टोर्स कर्मचारी के साथ लूट की वारदात हो गई। बदमाश ऑटो में बैठाकर उसे सुनसान इलाके में ले गए और रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। बैग में करीब 1 लाख 70 हजार रुपए रखे हुए थे। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में बड़नगर से खरीदारी करने आए एक स्टोर्स कर्मचारी के साथ लूट की वारदात हो गई। बदमाश ऑटो में बैठाकर उसे सुनसान इलाके में ले गए और रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। बैग में करीब 1 लाख 70 हजार रुपए रखे हुए थे। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक फरियादी गणेश सिंह सोलंकी रविवार शाम बड़नगर से ट्रेन के जरिए इंदौर पहुंचे थे। वे रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-5 पर उतरे और सियागंज जाने के लिए ऑटो किया। बताया जा रहा है कि ऑटो में पहले से एक युवक बैठा हुआ था। ऑटो चालक ने कहा कि पहले वह युवक को राजबाड़ा छोड़ेगा, उसके बाद गणेश को सियागंज छोड़ देगा। इसके बाद आरोपी गणेश को लेकर राजकुमार ब्रिज के पास पहुंचे। यहां गणेश को शंका हुई तो उन्होंने ऑटो रोकने के लिए कहा। इसी दौरान ऑटो चालक और उसके साथी ने विवाद शुरू कर दिया। आरोपियों ने गणेश को धक्का देकर उसका बैग छीन लिया और ऑटो लेकर मौके से फरार हो गए। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दी है। पीड़ित ने तुरंत अपने मालिक को घटना की जानकारी दी और बाद में थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात दो आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले में कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अदिती दिनेश तिवारी को 10वीं में 90 प्रतिशत अंक मिलने पर लोगों ने दी बधाई

कानपुर (उत्तरशक्ति)। सीबीएसई बोर्ड के 10वीं के परिणामों में गुजैनी सीबीएसई स्कूल कानपुर का शानदार प्रदर्शन रहा जिसमें दोनों कक्षाओं में 97% से अधिक विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। छात्रा अदिती दिनेश तिवारी ने 90% प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर परिवार में खुशी की लहर फैल गई है। विद्यालय के प्राचार्य ज्योत्सना मिश्रा ने सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अदिती के पिता दिनेश तिवारी , मां किरन (गुडान) तिवारी ने आशीर्वाद प्रदान करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। वहीं दादा तेजमुरत तिवारी अधिवक्ता ने भी पोती को ढेर सारे शुभकामनाएं दी हैं। अदिती तिवारी के पैतृक ननिहाल गांव पवॉरा बाजार में दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार मामा विष्णु कांत मिश्रा (कलेक्टर) , बड़े मामा शशिकांत मिश्रा, बड़ी मामी साधना मिश्रा , छोटी मामी आरती मिश्रा , रंजू मिश्रा , नानी सावीत्री मिश्रा, लीलावती मिश्रा, नाना ब्रह्मदेव मिश्रा ने लोगों का मुंह मिठा कराया है। और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। बड़े भाई रीशू तिवारी, अक्षिता तिवारी, यशू मिश्रा, अक्षिता, मधू, निष्ठा मिश्रा, रितिका, मौसी गुड़िया तिवारी, चेतरिया बनकट के भावी प्रधान रमाजीत तिवारी भूअर, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, ने हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं ।

हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास का महाराजगंज में आगमन, दर्शन करने उमड़ा जन सैलाब

शिव पूजन पाण्डेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज क्षेत्र के मया गांव में युवा उद्योगपति वरिष्ठ समाजसेवी राहुल देवशंकर दुबे के आवास पर विगत वर्षों की भांति जनकल्याण एवं धर्म प्रचार के उद्देश्य से आयोजित श्री रामचरितमानस मानस पाठ का समापन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर अयोध्या से पधारे हनुमानगढ़ी महंत श्री राजू दास महराज का आगमन हुआ जहां भक्तों ने उन्हें माल्यार्पण कर स्वागत किया उनके दर्शन के लिए सैकड़ो भक्त मौजूद रहे। अपने वक्त में महंत जी ने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्शों पर हमें चलना चाहिए जिसे अपना एवं जग का कल्याण हो युवा इस समय भटक रहे हैं और उन्हें श्री रामचरितमानस पाठ अध्ययन कर अपने जीवन में उतर कर माता-पिता तथा गुरु की सेवा करें एवं रामचरितमानस के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को धर्म और संस्कारों का संदेश दिया।कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग, संत-महात्मा एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। समापन पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।इस अवसर पर प्रतापगढ़ की धरती से आए आनंद पाण्डेय ने कहा कि रामचरितमानस केवल एक ग्रंथ नहीं बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य मार्गदर्शक है। उन्होंने समाज में धार्मिक आयोजनों की आवश्यकता पर भी बल दिया। आनंद पांडे आज प्रतापगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक राजन जी महराज की कथा करा कर युवाओं के दिल में जगह बना चुके हैं एवं कुछ दिन पहले रोजगार मेला लगाकर सबके चहेते बन चुके हैं कार्यक्रम के आयोजक राहुल देवशंकर दुबे ने सभी अतिथियों, संत-महात्माओं एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की भावना से इस धार्मिक आयोजन का आयोजन किया गया था, जिसमें सभी लोगों का भरपूर सहयोग और स्नेह मिला।समापन के बाद प्रसाद वितरण एवं भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की देखरेख संतोष दुबे, धीरज चतुवेर्दी ग्राम प्रधान असरोपुर रोहित दुबे, चंदू यादव लगे रहे वहीं भजन संध्या कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक रविंद्र सिंह ज्योति, लोक गायक मुकेश त्रिपाठी, गायिका अंशिका सिंह द्वारा समा बांधा गया जहां सब ने खूब सराहना की इस मौके पर मुंबई से चलकर आए मीरा रोड भयंदर युवा नगरसेवक विवेक उपाध्याय, रत्नाकर मिश्रा समाजसेवी, अमित दुबे (दुबे स्टेट) ,राम तिवारी,राकेश तिवारी, प्रेम पांडे, महेन्द्र पाण्डेय, पप्पू तिवारी, सुरेंद्र तिवारी तथा हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

एस्टर गार्डियंस ग्लोबल नर्सिंग अवॉर्ड ने टॉप 10 फाइनलिस्ट की घोषणा की

मुंबई। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के पर एस्टर ऊ्र हेल्थकेयर ने एस्टर गार्डियंस ग्लोबल नर्सिंग अवॉर्ड 2026 के पांचवें संस्करण के लिए टॉप 10 फाइनलिस्ट की घोषणा की है। फाइनलिस्ट को 214 देशों और इकॉनमी में 134,000 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन में से चुना गया है। इस आंकड़े के साथ यह नर्सों के लिए दुनिया के सबसे बड़े अवॉर्ड में से एक बन गया। आंकड़ें की यह संख्या पिछले संस्करण की तुलना में एक बड़ी बढ़ोतरी है। इसमें 199 देशों से 100,000 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुए। यह बढ़ोत्तरी अवॉर्ड में ज्यादा भागीदारी और बढ़ती वैश्विक दिलचस्पी दिखाता है। एस्टर ने अर्न्स्ट एंड यंग छछ्ढ को अवॉर्ड के इंडिपेंडेंट 'प्रोसेस एडवाइजर' के तौर पर नियुक्त किया है। फाइनलिस्ट को एक मुश्किल मल्टी-स्टेज मूल्यांकन प्रक्रिया के जरिए चुना गया। इसमें योग्यता की जांच, एक्सपट्र्स के एक स्वतंत्र पैनल द्वारा मूल्यांकन और एक जानी-मानी ग्रैंड जूरी द्वारा फाइनल रिव्यू शामिल था।

टॉप 10 फाइनलिस्ट में से एक को ग्रैंड टाइटल और 250,000 अमेरिकी डॉलर के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जबकि शेष फाइनलिस्ट को भी हेल्थकेयर में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वैश्विक मान्यता और पुरस्कार मिलेंगे। एस्टर DM हेल्थकेयर के फाउंडर चेयरमैन, डॉ. आजाद मूपेन ने कहा, नर्सों की भूमिका सिर्फ.बेडसाइड केयर तक ही सीमित नहीं है। उनका समर्पण, डेडिकेशन और दया उन्हें दुनिया भर के हेल्थकेयर सिस्टम की रीढ़ बनाती है। वे अक्सर सिस्टम में कमियों को पहचानने, इनोवेशन (नवाचार) को आगे बढ़ाने और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की अगली पीढ़ी को गाइड करने का काम करती हैं। यही बात उनके योगदान को जरूरी और बदलाव लाने वाला बनाती है।

पब्लिक सड़कों पर बदबूदार सीवेज, डेवलपर के खिलाफ केस करें: महेश सरवणकर

वसई। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड बोर्ड के प्रेसिडेंट कॉर्पोरेटर महेश सरवणकर ने एक मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग से बदबूदार सीवेज पब्लिक सड़कों पर छोड़ने वाले डेवलपर के खिलाफ केस किया है और बिल्डिंग को दिया गया सी सी और ओ सी तुरंत कैंसल करने की मांग की है। उन्होंने वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कमिश्नर से इसे तुरंत कैंसल करने की मांग की है।

वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के वार्ड कमेटी एच' एरिया में कृष्णा टाउनशिप में पर्ल गार्डन नाम की एक मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग बन रही है। बिल्डिंग के कुछ फ्लैट्स में लोग रहने आ गए हैं। बिल्डिंग के साइड में बिल्डर का बनाया सीवर आधा-अधूरा है। बिल्डिंग से सीवर से निकलने वाला बदबूदार सीवेज पब्लिक सड़कों पर बहाया जाता है। इससे एरिया के लोगों की हेल्थ को खतरा है। अगर अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट ने उस डेवलपर को पार्ट ओ. सी दिया है, जबकि उस जगह पर कोई रोड सिस्टम, कोई सीवेज सिस्टम नहीं है, और सीवर भी अधूरी हालत में है, तो यह मामला गंभीर है। महेश सरवणकर ने एक बयान में कहा कि पब्लिक रोड पर सीवेज छोड़ने वाले डेवलपर के खिलाफ केस दर्ज किया जाना चाहिए और उस बिल्डिंग को दिया गया सी सी और ओ सी तुरंत कैंसल किया जाना चाहिए।

सोना छोड़िए, देश जोड़िए: पीएम मोदी की अपील को सफल बनाने में जुटे भाजपाई

वाराणसी। देश में बढ़ती आर्थिक चुनौतियों, वैश्विक अस्थिरता और ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशवासियों से एक वर्ष तक सोना न खरीदने, पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने और सादगीपूर्ण जीवन अपनाने की अपील को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सरवर सिद्दीकी ने राष्ट्रहित में बड़ा और दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश केवल आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि ह्राष्ट्र निर्माण का सामाजिक अभियान है, जिसे हर नागरिक को गंभीरता से अपनाना चाहिए।

सरवर सिद्दीकी ने कहा कि आज विश्व आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और बढ़ती उपभोक्तावादी संस्कृति से जूझ रहा है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री मोदी का यह संदेश देश को आत्मनिर्भरता, अनुशासन और जिम्मेदार नागरिकता की ओर ले जाने वाला है। उन्होंने कहा कि यदि देशवासी एक वर्ष तक अनावश्यक सोने की खरीदारी से बचें और ईंधन की खपत सीमित करें, तो इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और विदेशी मुद्रा भंडार पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से भी जुड़ा हुआ मुद्दा है। लोगों को निजी वाहनों का कम उपयोग कर मेट्रो, रेल, बस और साझा परिवहन व्यवस्था को अपनाना चाहिए। इससे प्रदूषण भी कम होगा और देश ऊर्जा बचत की दिशा में आगे बढ़ेगा।

भाजपा नेता ने प्रधानमंत्री की उस अपील का भी समर्थन किया, जिसमें उन्होंने लोगों से भोजन में तेल और घी का सीमित उपयोग करने तथा अनावश्यक विलासिता से बचने की बात कही। सिद्दीकी ने कहा कि भारतीय संस्कृति सदैव सादगी, संयम और संतुलित जीवन की पक्षधर रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज दिखावे और फिजूलखर्ची से बाहर निकलकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि ह्फालतू की सैर-सपाटा, अनावश्यक विदेश यात्राएं और अत्यधिक खर्च वाले आयोजनों से बचना भी देशभक्ति का हिस्सा है। घर से ही अधिकतर कार्य निपटाने की आदत विकसित करनी चाहिए ताकि ईंधन की बचत हो और समय का भी सदुपयोग हो सके। सरवर सिद्दीकी ने पूर्व प्रधानमंत्री ष्दकपतं ळंदकी का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 1967 में भी उन्होंने देशवासियों से सोना न खरीदने की अपील की थी। उस समय भी देश आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा था और राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि मानते हुए जनता से सहयोग मांगा गया था। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब देश कठिन दौर से गुजरा है, तब-तब जनता ने त्याग और अनुशासन के माध्यम से राष्ट्र को मजबूत किया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग प्रधानमंत्री की हर अपील को नकारात्मक राजनीति के चश्मे से देखते हैं, जबकि यह संदेश पूरी तरह राष्ट्रहित और जनकल्याण से जुड़ा हुआ है। देश को मजबूत बनाने के लिए राजनीति से ऊपर उठकर सहयोग की भावना आवश्यक है। सिद्दीकी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संदेश केवल सरकार की नीति नहीं, बल्कि एक भारत को जीवनशैली का संकेत है, जहां आत्मसंयम, स्वदेशी सोच और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को महत्व दिया जाएगा।

विहंगम योग संस्थान द्वारा खारघर में 17 मई को भव्य कार्यक्रम का आयोजन

नवी मुंबई। विहंगम योग संस्थान द्वारा आगामी रविवार, 17 मई को खारघर (नवी मुंबई) के सेक्टर 29 स्थित गावदेवी मंदिर के प्रांगण में एक अभूतपूर्व आध्यात्मिक समारोह का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में मन की शांति के लिए वैदिक काल से प्रचलित 'मनोनिग्रह' (ध्यान-साधना) का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। संस्थान के वाराणसी स्थित गुरुकुल से आए बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और शंखनाद के बीच, गणमान्य अतिथियों के कर-कमलों द्वारा भूमिपूजन कर मंगलवार को पंडाल निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। इस आध्यात्मिक महोत्सव में भौतिक कामनाओं की पूर्ति हेतु '1001 कुंडी वैदिक हवन-यज्ञ' का भी आयोजन किया गया है। उपस्थित श्रद्धालुओं को विहंगम योग के संत प्रवर विज्ञानदेव महाराज एवं सद्गुरु स्वतंत्रदेव जी महाराज की अमृतवाणी श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। वर्तमान में 'अधिक मास' का पुण्यकाल प्रारंभ हो रहा है और सनातन धर्म के अनुसार इस अवधि में धार्मिक अनुष्ठान, ध्यान-साधना एवं यज्ञ-हवन करने का विशेष महत्व है। यह कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क है और इसमें सभी के लिए भोजन-महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने सभी से अपने इष्ट-मित्रों सहित इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त करने का आह्वान किया है। इस अवसर पर विहंगम योग के राष्ट्रीय संत किशनलाल शर्मा, महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष योगेश पाटिल, संरक्षक बजरंगलाल बजारी, प्रवीण पाटिल (अध्यक्ष, भाजपा खारघर शहर मंडल एवं पूर्व नगरसेवक), ज्ञानेश्वर खरपुरिया (उपाध्यक्ष, भाजपा खारघर शहर मंडल एवं पूर्व अध्यक्ष, जागृत फाउंडेशन), मधु पाटिल (नगरसेवक, खारघर), बृजेश पटेल (भाजपा जिला सचिव, उत्तर रायगढ़),एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

मीरा भायंदर के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी ताकत से करूंगा काम : एड. रवि व्यास

भायंदर। मीरा भायंदर महानगरपालिका के नवनिर्वाचित सभागृह नेता एड रवि व्यास ने सोमवार को विधिवत अपना पदभार ग्रहण किया। मीरा-भायंदर के भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने नारियल फोड़कर सभागृह नेता कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक नरेंद्र मेहता ने नवनिर्वाचित सभागृह नेता एड रवि व्यास को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सौम्य, सुसंस्कृत एवं सहनशीलता के व्यक्तित्व से सराबोर एड रवि व्यास के भीतर अद्भुत नेतृत्व क्षमता है। लोकसभा, विधानसभा तथा पिछले कुछ महीनों पूर्व संपन्न हुए मीरा-भायंदर महानगर पालिका चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत में इनका अहम योगदान रहा है। जिलाध्यक्ष पद पर रहते हुए इन्होंने सर्व-समाज, खासकर युवाओं, महिलाओं को पार्टी से जोड़ा, जिसका भरपूर लाभ भाजपा तथा महायुति के सहयोगी दलों के उम्मीदवारों को लोकसभा, विधानसभा तथा हाल ही में संपन्न हुए मीरा-भायंदर महानगर पालिका चुनाव अपने दम पर लड़ने वाली भाजपा को भरपूर तौर पर मिला। विधायक नरेंद्र मेहता ने इस अवसर पर भरोसा जताया कि मनपा सभागृह नेता का यह कार्यालय न सिर्फ सदन के सुचारू संचालन, शहर के विकास को गति देने, अपितु शहरवासियों की समस्याओं के निराकरण तथा समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति के कल्याण का केंद्र बनेगा। रवि व्यास ने अपनी नियुक्ति के लिए भाजपा के महाराष्ट्र के प्रमुख नेता तथा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, स्थानीय भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता, सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र पर चलते हुए शहर के विकास और समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति तक सभी जनकल्याणकारी

व्यापार मंडल ने बढ़ाया आयुर्वेद अस्पताल का हाथ

वाराणसी। शहर के संपूर्णानंद आयुर्वेद चिकित्सालय में मंगलवार को सामाजिक सरोकार और सेवा भावना का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। वाराणसी व्यापार मंडल की ओर से अस्पताल को 21 कुर्सियां तथा करीब 700 लीटर फिनायल और टॉयलेट क्लीनर सौंपा गया। इस दौरान अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सालय की प्रभारी अधीक्षक डॉ. पूनम द्विवेदी और डॉ. भगवान दास की मौजूदगी में सामग्री अस्पताल प्रशासन को सौंपी गई। व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्घा ने कहा कि संपूर्णानंद आयुर्वेद चिकित्सालय गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए बड़ी राहत का केंद्र है, जहां मरीजों को निःशुल्क इलाज, भर्ती और भोजन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने कहा कि जानकारी मिली है कि अस्पताल को अपेक्षित सरकारी सहायता नहीं मिल पा रही है। ऐसे में व्यापार मंडल आगे भी जरूरत के अनुसार सहयोग करता रहेगा। उन्होंने प्रदेश के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्रा दयालु से अस्पताल की सुविधाओं और संसाधनों पर विशेष ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि इससे डॉक्टरों का मनोबल बढ़ेगा और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। इस अवसर पर डॉ. भगवान दास ने लोगों से अंधविश्वास और भूत-प्रेत जैसी बातों से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि बीमारियों के इलाज के लिए वैज्ञानिक और चिकित्सकीय पद्धति पर भरोसा करना चाहिए। कार्यक्रम में महामंत्री कविंद्र जायसवाल, डॉ. संजय सिंह, राजीव वर्मा, अरविंद जायसवाल, सुजीत वर्मा, प्रिया अग्रवाल, खुशीर्दा बेगम, शाहिद समेत व्यापार मंडल के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

इंदुलेखा भृंगा हेयर ग्रोथ सीरम का सफल समापन

मुंबई। इंदुलेखा ने इंदुलेखा भृंगा हेयर ग्रोथ सीरम पर अपनी दूसरी बड़ी क्लिनिकल स्टडी के सफल समापन की घोषणा की है। इसके साथ ही कंपनी ने भारत के सबसे अधिक क्लीनिकली प्रमाणित हेयर ग्रोथ सीरम के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत की है। ये अध्ययन पंजीकृत क्लिनिकल रिसर्च ऑर्गनाइजेशन द्वारा त्वचा विशेषज्ञों और आयुर्वेदिक चिकित्सकों की निगरानी में किए गए। 2025 में किए गए नवीनतम ट्रायल्स के प्रमुख निष्कर्ष में कठोर वैज्ञानिक अध्ययन के माध्यम से 90 दिनों में 11,000 नए बाल उगाने की पुष्टि। 3% रेडेंसिल युक्त सीरम की तुलना में 2 गुना अधिक बालों की वृद्धि। एनाजेन-टू-टेलोजेन अनुपात में 74% सुधार, जिससे उत्पाद की स्वस्थ हेयर ग्रोथ साइकिल बहाल करने की क्षमता साबित हुई। साईराम सुब्रमण्यन, वाइस प्रेसिडेंट, यूनिलीवर हेयर केयर विभाग ने कहा,ह्लहमारा प्रयास हमेशा प्रामाणिक आयुर्वेदिक फॉमूर्लेशन को कठोर क्लिनिकल परीक्षणों के साथ जोड़ने का रहा है। लगातार दो वर्षों तक दो स्वतंत्र क्लिनिकल ट्रायल्स कराकर हम उपभोक्ताओं को उत्पाद की प्रभावशीलता और वास्तविक, मापने योग्य परिणामों के प्रति पूर्ण पारदर्शिता और भरोसा देना चाहते हैं। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि यह फॉमूर्लेशन बालों की प्राकृतिक वृद्धि प्रक्रिया को फॉलिकल स्तर पर समर्थन देता है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि 97% प्रतिभागियों ने माना कि यह सीरम बालों की मोटाई बढ़ाता है और बालों को अधिक घना दिखाने में मदद करता है। हेयर ग्रोथ बाजार, विशेष रूप से स्कैल्प सीरम श्रेणी, में कई ब्रांड्स समान 3% रेडेंसिल-आधारित फॉमूर्लेशन के साथ मौजूद हैं। उपभोक्ताओं के हित में कंपनी ने 3% रेडेंसिल की प्रभावशीलता का इंदुलेखा हेयर ग्रोथ सीरम के मुकाबले तुलनात्मक क्लिनिकल अध्ययन के जरिए गहन मूल्यांकन करना आवश्यक समझा, ताकि प्रदर्शन का अधिक मजबूत, विश्वसनीय और विज्ञान-आधारित आकलन किया जा सके। दोनों अध्ययन 2024 और 2025 के दौरान 20 से 45 वर्ष आयु वर्ग के पुरुषों और महिलाओं पर किए गए, जो शुरूआती और मध्यम स्तर के बाल झड़ने की समस्या से जूझ रहे थे।

सैमसंग ने विजन एआई से लैस नेक्स्ट-जेन मिनी एलईडी टीवी लॉन्च किए

मुंबई। सैमसंग इस साल भारत में अपने 30 शानदार साल पूरे कर रहा है। इस मौके पर कंपनी ने अपनी नई मिनी एलईडी टीवी रेंज लॉन्च करने की घोषणा की है। ये टीवी ज्यादा चमकदार और बेहतरीन तस्वीर तथा एआई-पावर्ड फीचर्स के साथ होम एंटरटेनमेंट को नए सिरे से परिभाषित करते हैं। सैमसंग मिनी एलईडी को ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक आधुनिक तकनीक पहुंचाने के लिए डिजाइन किया है।

42,990 रुपये की शुरूआती कीमत से उपलब्ध सैमसंग के मिनी एलईडी टीवी 43 इंच से लेकर 100 इंच तक के स्क्रीन साइज में आते हैं, जो हर तरह के ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं। इनका मेटलस्ट्रीम डिजाइन विमान की बनावट से प्रेरित है, जो एक आकर्षक, अल्ट्रा-स्लिम बेजल वाली सिंगल-मेटल बॉडी के साथ किनारे से किनारे तक का शानदार व्यूइंग अनुभव देता है। उन्नत तकनीक, एआई फीचर्स और प्रीमियम डिजाइन के इस संयोजन के साथ सैमसंग के मिनी एलईडी टीवी नेक्स्ट-जेन एंटरटेनमेंट को सबकी पहुंच में लाते हैं। सैमसंग इंडिया के वाइस-प्रेसिडेंट, विजुअल डिस्प्ले बिजनेस, विप्लेश डांग ने कहा, ₹सैमसंग लगातार 20 वर्षों से दुनिया का नंबर-1 टीवी ब्रांड है। हम अपने नए मिनी एलईडी टीवी के साथ प्रीमियम होम एंटरटेनमेंट को सबकी पहुंच में लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठा रहे हैं। यह लॉन्च उन्नत डिस्प्ले तकनीक को और सुलभ बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। तकनीक और एआई के संयोजन से हम एक बेहतरीन व्यूइंग अनुभव देने के लिए पूरी तरह जुटे हैं। हम नवाचार की सीमाओं को लगातार आगे बढ़ाते हुए यह सुनिश्चित करेंगे कि नेक्स्ट-जेन तकनीक के फायदे देश भर के अधिक से अधिक घरों तक पहुंचें।

इस लॉन्च की बुनियाद में सैमसंग की उन्नत मिनी एलईडी तकनीक है, जो गहरे कंट्रास्ट, बेहतर स्पष्टता और जीवंत दृश्यों के साथ बेहतरीन पिक्चर क्वालिटी देती है। मिनी एलईडी का आकार सामान्य एलईडी के मुकाबले आधा होता है और ये सटीक लाइट कंट्रोल के जरिए बारीक डिटेल्स और यथार्थवादी गहराई को उजागर करते हैं। प्योर स्पेक्ट्रम कलर हर रंग को जीवंत और असली बनाने के लिए पिक्सल-स्तर की सटीकता सुनिश्चित करता है। उन्नत फॉस्फर तकनीक रंग प्रदर्शन को और निखारती है तथा 90% से अधिक वाइड कलर गैमट के साथ ज्यादा जीवंत और यथार्थवादी दृश्य देती है। कलर बूस्टर और मिनी एलईडी एचडीआर जैसी अतिरिक्त सुविधाएं कंट्रास्ट और रंगों को और निखारती हैं, जिससे हर कंटेंट में हमेशा उच्च गुणवत्ता वाले दृश्य मिलते हैं। गेमर्स और खेल प्रेमियों के लिए मोशन एक्सेलेरेटर 144Hz फीचर तेज गति वाले कंटेंट के लिए एकदम सही है, जो स्मूद मोशन और बिना किसी धुंधलेपन के अनुभव की गारंटी देता है। यह फ्रेम्स के बीच की गतिविधि का अनुमान लगाता है और उस जानकारी का उपयोग करके अगले फ्रेम्स की मोशन स्मूदनेस को बेहतर बनाता है। यह नई रेंज सबसे उन्नत मिनी एलईडी अनुभव प्रदान करती है, जिसमें सैमसंग की पिक्चर क्वालिटी और एआई-पावर्ड फीचर्स शामिल हैं।

जनगणना 2027 की तैयारियों के संबंध में मीरा भायंदर नगर निगम में समीक्षा बैठक आयोजित

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। जनगणना 2027 की तैयारियों के क्रम में, मंगलवार, 12 मई 2026 को मीरा भायंदर नगर निगम में माननीय प्रधान जनगणना अधिकारी एवं आयुक्त राधाबिनोद ए. शर्मा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जनगणना 2027 के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में क्षेत्रवार नियोजन, प्रगणकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण प्रक्रियाएं, डेटा संग्रह की पद्धतियां, नागरिकों के साथ समन्वय तथा सर्वेक्षण कार्य को प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु आवश्यक उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर यह रेखांकित किया गया कि जनगणना प्रक्रिया राष्ट्र की विकासात्मक योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, पूर्व में जारी आदेशों के अनुपालन में अतिरिक्त आयुक्त महोदय ने बैठक में उपस्थित प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे किसी भी पर्यवेक्षक अथवा प्रगणक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया जाए, जिन्होंने अब तक जनगणना 2027 प्रक्रिया हेतु अपनी ड्यूटी पर रिपोर्ट नहीं किया है। जनगणना 2027 के अंतर्गत वास्तविक सर्वेक्षण प्रक्रिया 16 मई 2026 से 14 जून 2026 के मध्य संपन्न की जानी निर्धारित है। इस अवधि के दौरान नियुक्त प्रगणक एवं अधिकारी नागरिकों से जानकारी एकत्रित करने हेतु उनके घरों का दौरा करेंगे। नगर निगम ने समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे प्रगणकों को सही एवं सटीक जानकारी प्रदान कर प्रशासन का सहयोग करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि नागरिक केवल उन्हीं प्रगणकों को जानकारी उपलब्ध कराएं, जिनके पास आधिकारिक पहचान पत्र (आईडी कार्ड) उपलब्ध हो। बैठक में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि नागरिकों की सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जनगणना 2027 से प्राप्त आंकड़े भविष्य की शहरी नियोजन, अवसंरचना विकास, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, परिवहन तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

न्यूरोबियन ने पेश की नर्व पेन रिलीफ क्रीम

पटना। न्यूरोबियन जो प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ लिमिटेड का प्रमुख ब्रांड है, ने नई न्यूरोबियन नर्व पेन रिलीफ क्रीम लॉन्च की है - यह एक विशेष रूप से तैयार किया गया टॉपिकल सॉल्यूशन है, जिसे हाथों और पैरों में नसों से जुड़े दर्द, झुनझुनी और जलन से लक्षणों के आधार पर राहत प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। न्यूरोबियन नर्व पेन रिलीफ क्रीम इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई है। इसके उत्कृष्ट फॉमूर्लेशन में 0.075 प्रतिशत कैप्साइसिन होता है, जो चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित तत्व है, और त्वचा के भीतर गहराई तक जाकर नसों के दर्द के मूल कारण पर प्रभावी तरीके से काम करता है। इस फॉमूर्लेशन में मेंथॉल, कपूर और यूकेलिप्टस ऑयल का मिश्रण भी मौजूद है, जो त्वचा को आरामदायक एहसास देने के साथ लक्षित लक्षणात्मक राहत प्रदान करने में सहायक है। यह क्रीम सुविधाजनक रोल-ऑन एप्लीकेटर के साथ आती है, जिससे इसे हाथों और पैरों के दोनों तरफ आसानी से, सीधे और बिना किसी गंदगी के लगाया जा सकता है।

स्नेहा दुबे पंडित ने वसई में ट्रैफिक जाम निवारण हेतु मीटिंग किया

वसई। वसई में ट्रैफिक जाम, रिक्शा मीटर को अच्छे से लागू करने, चल रहे रेलवे काम की प्लानिंग और ट्रांसपोर्ट सुविधाओं पर विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे-पंडित की मौजूदगी में चर्चा हुई। वसई-विरार इलाके में बढ़ती आबादी, ट्रैफिक प्रेशर, रिक्शा मैनेजमेंट और रेलवे डेवलपमेंट के कामों को देखते हुए आज वसई विधानसभा विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे-पंडित के पब्लिक रिलेशन ऑफिस में रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट, रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन, ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट और रिक्शा ड्राइवर यूनियन के पदाधिकारियों के साथ एक जरूरी रिव्यू मीटिंग हुई। मीटिंग में आम लोगों को रोजाना होने वाली ट्रैफिक की दिक्कतों, रिक्शा ड्राइवरों का मीटर के हिसाब से चलने से मना करना, रेलवे स्टेशन इलाके में ट्रैफिक जाम, पार्किंग की जगह कम होने और खराब सड़कों की वजह से रिक्शा ड्राइवरों को होने वाली मुश्किलों पर डिटेल में चर्चा हुई। मीटिंग के दौरान इस बात पर गंभीरता से ध्यान दिया गया कि वसई विरार शहर में रिक्शा ड्राइवर मीटर पर रिक्शा लेने से मना कर रहे हैं। यह बताया गया कि वसई-विरार इलाके में रिक्शा मीटर ठीक से लागू न होने की वजह से यात्रियों को आर्थिक और मानसिक रूप से परेशानी हो रही है। इसके लिए रिक्शा चालकों की एसोसिएशन से बातचीत करके जागरूकता फैलाने और मीटर के हिसाब से यात्रा करने से मना करने वाले रिक्शा चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला किया गया। आर टी ओ डिपार्टमेंट से एक नया शिकायत निवारण नंबर देने का फैसला किया गया। साथ ही, वेस्टर्न रेलवे की 5वीं और 6वीं लाइन के चल रहे काम की वजह से, भविष्य में रेलवे स्टेशन के पास पार्किंग और ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था, नागरिकों के आने-जाने की प्लानिंग, रिक्शा स्टैंड की प्लानिंग, बस की सुविधा और इसके लिए जरूरी कदम उठाने पर भी चर्चा हुई। इन प्रोजेक्ट्स के पूरा होने के बाद, रेलवे प्लेटफॉर्म से निकलने वाले लाखों यात्रियों को तैयार और प्लान की गई ट्रांसपोर्टेशन की सुविधा देने के लिए जल्द ही नगर निगम, रेलवे प्रशासन, ट्रैफिक डिपार्टमेंट और ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट की एक जॉइंट मीटिंग करने का फैसला किया गया। इसके अलावा, क्योंकि वसई में सनसिटी, उमेला और पचुबंदर इलाकों में ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के एक अलग ऑफिस के लिए करीब 2 एकड़ जमीन की जरूरत है, इसलिए इस मीटिंग में यह तय किया गया कि ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट सरकार से इसकी मांग करेगा और विधायक इस बारे में सरकार से बात करेंगे। इसी तरह, ट्रांसपोर्ट अधिकारियों ने रिक्शा ड्राइवर यूनियन के पदाधिकारियों द्वारा वसई विरार शहर में बिना इजाजत के चलने वाले रिक्शा से होने वाले गैर-कानूनी पैसेंजर ट्रैफिक, नागरिकों की सुरक्षा और रेवेन्यू के नुकसान के बारे में उठाए गए मुद्दे पर ध्यान दिया और भरोसा दिलाया कि ऐसे गैर-कानूनी रिक्शा के खिलाफ एक खास कैंपेन चलाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे-पंडित ने कहा कि इन सभी मुद्दों पर की गई कार्रवाई का डिटेल में रिव्यू करने के लिए जून के पहले हफ्ते में एक और मीटिंग की जाएगी।

रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के दीपक उगले, वसई ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर प्रशांत लांगी, विरार ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के पुलिस सब-इंस्पेक्टर नितिन जाधव, असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर संदेश मेहर, रेलवे डिपार्टमेंट के अवधेश कुमार पांडे, योगेश कुशवाहा, पालघर डिस्ट्रिक्ट लेबर ऑटो रिक्शा टैक्सी ड्राइवर ओनर्स एसोसिएशन के विजय खेतले, वसई रिक्शा यूनियन के अक्षय शुक्ला, जय महाराष्ट्र रिक्शा ड्राइवर ओनर्स एसोसिएशन के अरविंद सिंह के साथ-साथ बिजेंद्र कुमार, मयंक शेठ और आर टी ओ डिपार्टमेंट, रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन, ट्रैफिक डिपार्टमेंट के अधिकारी मौजूद थे।

एमेजॉन एमएक्स प्लेयर ने पेश किया विमल खन्ना का ट्रेलर

मुंबई। भारत की प्रमुख फ्री, प्रीमियम और विज्ञापन-समर्थित वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा एमेजॉन एमएक्स प्लेयर ने आज अपनी अपकमिंग सर्वाइवल थ्रिलर सीरीज विमल खन्ना का रोमांच से भरपूर ट्रेलर जारी किया। मशहूर लेखक सुरेन्द्र मोहन पाठक की प्रतिष्ठित ह्यद विमल सीरीज पर आधारित यह शो हिंदी साहित्य के सबसे लोकप्रिय और यादगार किरदारों में से एक को पहली बार पर्दे पर जीवंत करता है। सीरीज में मुख्य भूमिका में सनी हिंदुजा नजर आएंगे, जबकि उनके साथ ईशा तलवार और तारा अलीशा बेरी भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी। 15 मई को प्रीमियर होने जा रही यह सीरीज दर्शकों को एक ऐसे तनावपूर्ण और अप्रत्याशित संसार में ले जाएगी, जहां पहचान हर पल बदल सकती है, भरोसा करना खतरनाक है, और हर कदम की एक भारी कीमत चुकानी पड़ती है। ट्रेलर एक दमदार सर्वाइवल थ्रिलर का माहौल तैयार करता है, जहां विमल खन्ना लगातार भागता हुआ नजर आता है। वह धोखे, विश्वासघात और जिंदगी बचाने की जंग के खतरनाक जाल में फंसता चला जाता है, जहां हर बार बच निकलने की कोशिश उसे और गहराई में धकेल देती है। जैसे-जैसे राज खुलते हैं और छिपे हुए इरादे सामने आते हैं, एक सवाल बार-बार उठने लगता है – विमल खन्ना बचेगा या मरेगा? क्या वह इस जाल से बाहर निकल पाएगा, या फिर यह खतरनाक भंवर उसे और गहराई में खींच ले जाएगा?

46 साल बाद कचहरी कांड में फैसला : पूर्व विधायक विजय मिश्रा हत्या के मामले में दोषी करार

प्रयागराज एमपी-एमएलए कोर्ट का बड़ा फैसला, सजा पर आज होगा ऐलान; कोर्ट परिसर में सुरक्षा कड़ी

प्रयागराज। लगभग 46 वर्षों तक न्यायालय की चौखट पर लंबित रहे बहुचर्चित प्रयागराज कचहरी हत्याकांड में मंगलवार को बड़ा फैसला आया। प्रयागराज की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने भदोही की ज्ञानपुर विधानसभा सीट से चार बार विधायक रहे विजय मिश्रा समेत चार आरोपियों को हत्या का दोषी करार दिया। विशेष न्यायाधीश एमपी/एमएलए कोर्ट योगेश कुमार तृतीय ने फैसला सुनाते हुए सभी आरोपियों के खिलाफ हत्या के आरोप सिद्ध माने। अदालत अब बुधवार को सजा का ऐलान करेगी।

फैसले के बाद राजनीतिक गलियारों से लेकर न्यायिक हलकों तक हलचल तेज हो गई है। हत्या जैसे गंभीर अपराध में दोष सिद्ध होने के बाद विजय मिश्रा को उम्रकैद से लेकर कठोर दंड तक मिलने की संभावना जताई जा रही है। अदालत परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था भी सख्त कर दी गई। मामला वर्ष 1980 का है, जब प्रयागराज कचहरी परिसर के भीतर दिनदहाड़े गोलीबारी कर हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया था। उस समय इस घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था। लंबे समय तक मुकदमे की सुनवाई चलती रही और अब करीब साढ़े चार दशक बाद अदालत ने अपना फैसला सुनाया है।

मामले के अनुसार, कर्नलगंज थाने में हाथी गांव नवाबगंज निवासी श्याम नारायण पांडे ने 11 फरवरी 1980 को एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि वह एक मुकदमे में जमानत कराने के लिए कचहरी आए थे और अपने अधिवक्ता की सीट पर बैठे थे। उसी दौरान विजय मिश्रा, बलराम, संतराम और जीत नारायण बंदूक और राइफल लेकर पहुंचे तथा प्रकाश नारायण पांडे पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली

लगने से प्रकाश नारायण पांडे की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद पुलिस ने मौके से हथियार भी बरामद किए थे। अदालत में श्याम नारायण पांडे का बयान शपथपूर्वक दर्ज किया गया, जिसे महत्वपूर्ण साक्ष्य माना गया।

पूर्व विधायक विजय मिश्रा फिलहाल आगरा जेल में बंद हैं। उन्हें इस मामले की पूरी सुनवाई के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। विजय मिश्रा पहले से ही कई अन्य मामलों में सजा काट रहे हैं। उन पर दुष्कर्म, रंगदारी, गैंगस्टर, हत्या, अपहरण और शस्त्र अधिनियम समेत अनेक गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विजय मिश्रा को सफेदपोश माफिया की श्रेणी में चिह्नित किया जा चुका है। प्रशासनिक कार्रवाई के तहत उनकी एक अरब रुपये से अधिक की चल और अचल संपत्तियां पहले ही कुर्क की जा चुकी हैं। सूत्रों के अनुसार, विजय मिश्रा के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट, गुंडा एक्ट, खनन अधिनियम और रंगदारी समेत 77 से अधिक मुकदमे विभिन्न जिलों में दर्ज रहे हैं। इनमें प्रयागराज, वाराणसी, भदोही, मीरजापुर और मेरठ तक के मामले शामिल हैं। हालांकि, कुछ मामलों में वह बरी भी हो चुके हैं, जबकि कई मुकदमों की सुनवाई अभी जारी है। प्रयागराज कचहरी हत्याकांड में आया यह फैसला प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में लंबित मामलों के निस्तारण की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है। करीब आधी सदी पुराने इस मुकदमे में अदालत द्वारा दोष सिद्ध किए जाने को न्यायिक दृढ़ता और कानून के प्रति जवाबदेही के रूप में देखा जा रहा है। अब सबकी निगाहें बुधवार को होने वाले सजा के ऐलान पर टिकी हैं, जहां अदालत विजय मिश्रा और अन्य दोषियों के भविष्य पर अंतिम मुहर लगाएगी।